रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail com

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:12 | शुक्रवार,12 सितम्बर

ब्रीफ न्यूज

जितनी ऊंची होगी बेटियों की उड़ान, उतना ही उज्ज्वल होगा भारत का भविष्य: सिंधिया

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने अशोकनगर में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि अब प्रधानपति, सरपंचपति, जिला पंचायत पति और अध्यक्षपति जैसी प्रथाओं को खत्म करना होगा और महिलाओं को अपना हक अपने हाथों में लेना होगा। दरअसल, आज केन्द्रीय मंत्री ने आज बृहस्पतिवार को अशोकनगर में रेवा शक्ति अभियान, हृदय योजना और एकल सेवा पोर्टल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सिंधिया ने महिलाओं को दूसरी पंक्ति में धकेलने वाली इन प्रथाओं की आलोचना की और महिलाओं को उनका असली हक दिलाने के संकल्प का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने महिलाओं को बेटियों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि बेटी केवल परिवार की ज़िम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की पहचान है। जब एक बेटी जन्म लेती है तो वह केवल घर का नहीं बल्कि पूरे समाज का भविष्य गढ़ती है।उन्होंने एकल सेवा पोर्टल, हृदय योजना और रेवा शक्ति अभियान से क्षेत्र को मिलने वाले लाभों को भी रेखांकित करते हुए कहा कि यह योजनाएं क्षेत्र में सुशासन की नई परिभाषा गढ़ेगी। क्षेत्र में रेवा शक्ति अभियान के तहत 4400 बच्चों को सुपोषित करने का रखा है लक्ष्यसिंधिया ने रेवा शक्ति अभियान के मुख्य उद्देश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि बेटियाँ बोझ नहीं, वरदान हैं। इस अभियान के अंतर्गत जिले के केवल एक या दो बेटियों वाले परिवारों का पंजीयन किया गया है। उन्हें विशेष डिजिटल कार्ड दिए जा रहे हैं, पंजीकृत परिवारों को शिक्षा शुल्क में छूट, स्वास्थ्य सेवाओं में प्राथमिकता, छात्रवृत्ति, किराए में रियायत और सामाजिक सम्मान जैसी सुविधाएँ मिलेंगी। इससे बेटियों को पढ़ाई और आगे बढ़ने के लिए एक मजबूत मंच मिलेगा। ज्ञात रहे कि अशोकनगर जिले में इस अभियान के अंतर्गत कुपोषण दूर करने का बड़ा लक्ष्य रखा गया है। अब तक 4,700 कुपोषित बच्चों की पहचान की गई थी, जिनमें से 4,400 बच्चों को सुपोषित करने का लक्ष्य रखा गया है। सिंधिया ने कहा कि हमारा संकल्प है कि जिले का प्रत्येक बच्चा पूर्ण रूप से सुपोषित हो और स्वस्थ जीवन जी सके।2100 से अधिक गर्भवती माताओं को मिला हृदय योजना का लाभ सिंधिया ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि हजारों कुपोषित बच्चों और गर्भवती माताओं को सुरक्षित मातृत्व और पोषण सेवाएँ मिल रही हैं।

केवल साझेदार नहीं, बल्कि परिवार हैं भारत और मॉरीशस : पीएम मोदी

नई दिल्ली: गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी में मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तरीय वार्ता के बाद कहा कि भारत और मॉरीशस केवल साझेदार नहीं बल्कि परिवार हैं। भारत और मॉरीशस दो राष्ट्र हैं, लेकिन हमारे सपने और नियति एक हैं। पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसी देश के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में मुलाकात की। काशी में आयोजित इस मुलाकात के दौरान दोनों प्रधानमंत्रियों की मौजूदगी में भारत और मॉरीशस के बीच सात प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। इनमें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग के साथ भारतीय वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और मॉरीशस ओशनोग्राफी संस्थान के बीच समझौता, भारत के कर्मयोगी भारत कार्यक्रम और मॉरीशस के लोकसेवा मंत्रालय के बीच साझेदारी, विद्युत क्षेत्र में सहयोग, लघु विकास परियोजनाओं के दूसरे चरण में भारतीय अनुदान सहायता, हाइड्रोग्राफी क्षेत्र में समझौता नवीनीकरण और अंतरिक्ष अनुसंधान और अनुप्रयोगों के लिए उपग्रहों और प्रक्षेपण यानों के लिए ट्रैकिंग एवं टेलीमेट्री स्टेशन स्थापित करने पर सहयोग शामिल हैं। इसके अलावा शिक्षा और शोध के लिए आईआईटी मद्रास व यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरीशस तथा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांटेशन मैनेजमेंट व यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरीशस के बीच दो अलग समझौते हुए।

काशी भारत की संस्कृति की आत्मा का प्रतीक

पीएम ने स्पष्ट किया कि भारत हमेशा मॉरीशस के उपनिवेशवाद-विरोधी रुखऔर उसकी संप्रभुता के साथ मजबूती सेखड़ा रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत ने मॉरीशस की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए विशेष आर्थिक पैकेज तैयार किया है, जिससे बुनियादी ढांचे को मजबूती, रोजगार सृजन और स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊर्जा मिलेगी। मोदी ने कहा कि पिछले वर्ष मॉरीशस में यूपीआई और रूपे कार्ड की शुरूआत हुई थी। मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह उनके लिए गर्व का विषय है कि उन्हें अपने संसदीय क्षेत्र काशी में मॉरीशस के प्रधानमंत्री का स्वागत करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा, अनादिकाल से काशी भारत की सभ्यता और सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक रही है। हमारी संस्कृति और संस्कार सदियों पहले मॉरीशस पहुंचे और वहां की जीवनधारा में रच-बस गए। मोदी ने कहा कि मार्च में उन्हें मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोहमें शामिल होने का सौभाग्य मिला था,

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने नगर विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत नवचयनित अभ्यर्थियों को सौंपा नियुक्ति पत्र,कहा-

नियुक्तियों का सिलसिला जारी रहेगा

- मुख्यमंत्री ने झारखंड पर्यटन एवं झारखंड टूरिज्म डेवलपमेंट कारपोरेशन (जेटीडीसी) के लोगो तथा वेबसाइट का भी किया शुभारंभ, झारखंड के पर्यटक स्थलों को वैश्विक पटल पर पहचान दिलाने की दिशा में एक बड़ा कदम
- मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त अभ्यर्थियों से कहा – राज्य की बेहतरी के लिए पूरी निष्ठा एवं कुशलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का करें निर्वहन
- मुख्यमंत्री ने कहा – नगरीय क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर नागरिक सुविधा तथा सेवा देने की दिशा में लगातार हो रहा प्रयास
- मुख्यमंत्री ने कहा– पर्यटन को बढ़ावा मिलने से यहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ रोजगार के नए अवसर भी होंगे सृजित
- राज्य का सर्वांगीण विकास हमारी प्रतिबद्धता है
- शहरों का व्यवस्थित तथा योजनाबद्ध तरीके से विकास आज की जरूरत
- राज्य की समृद्ध सामाजिक– सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक खूबसूरती को देश– दुनिया में पहचान दिलाने का हो रहा प्रयास

राज्य की बेहतरी के लिए पूरी निष्ठा एवं कुशलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का करें निर्वहन

संवाददाता ।रांची

झारखंड राज्य को मजबूत और बेहतर बनाने की दिशा में हमारी सरकार लगातार प्रयास कर रही है ।इस कड़ी में नियुक्तियों के साथ-साथ सभी सेक्टरों में लगातार कार्य हो रहे हैं। राज्य का सर्वांगीण विकास हमारी प्रतिबद्धता है। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने आज झारखंड मंत्रालय में नगर विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत नवचयनित अभ्यर्थियों के लिए आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह तथा झारखंड पर्यटन एवं झारखंड टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के लोगो एवं वेबसाइट के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये बातें कही। विकास में आपकी अहम जिम्मेदारी मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त अभ्यर्थियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप आज से सरकार के एक अभिन्न के रूप में जुड़ रहे हैं। राज्य का समुचित विकास हो, इसके लिए आप पूरी निष्ठा और कुशलता के साथ अपनी जिम्मेदारियां का निर्वहन करेंगे, मुझे पूरी उम्मीद है। उन्होंने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों से कहा कि नगरीय क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर नागरिक सुविधा तथा सेवा देने की दिशा में आपकी भूमिका काफी अहम होगी। शहरों / नगरों का व्यवस्थित और योजनाबद्ध तरीके से विकास होना चाहिए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गांव से शहरों की ओर लोग आ रहे हैं । इस वजह से शहर का आकार और जनसंख्या तेज गति से बढ़ रहा है। ऐसे में शहरों का व्यवस्थित तथा योजनाबद्ध तरीके से विकास आज निहायत ही जरूरी है, ताकि शहरों में उपलब्ध व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के साथ शहरवासियों को अच्छी नागरिक सुविधा और सेवाएं दे सकें। उन्होंने कहा कि अगर शहर अव्यवस्थित तरीके से फैलेंगे तो उसके कई दुष्परिणाम और समस्याएं सामने आएगी, जिसका समाधान काफी चुनौतीपूर्ण होगा। इसलिए, शहरों को पूरी प्लानिंग के साथ विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ाने की जरूरत है।

पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुदरत ने झारखंड को ना सिर्फ खनिज संपदा, बल्कि प्राकृतिक सौंदर्य का भी अनोखा उपहार दिया है। झारखंड में पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं , लेकिन कहीं ना कहीं किसी न किसी कारण से यह क्षेत्र अब तक विकास से अछूता रहा था। लेकिन, हमारी सरकार अपने राज्य की समृद्ध सामाजिक सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक खूबसूरती को देश- दुनिया के मानचित्र पर पहचान दिलाने का प्रयास कर रही है ।

उमर खालिद-शरजील इमाम समेत 4 की जमानत याचिका, SC में 12 सितंबर को सुनवाई

एजेंसी

नई दिल्ली:जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व विद्वान और कार्यकर्ता उमर खालिद ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और राष्ट्रीय राजधानी में फरवरी 2020 के दंगों में कथित आपराधिक साजिश से संबंधित गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम मामले के तहत उन्हें जमानत देने से इनकार करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी। अब खबर है कि उमर खालिद-शरजील इमाम समेत 4 आरोपियों की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 12 सितंबर को सुनवाई होगी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2 सितंबर को इस मामले में खालिद और शरजील इमाम समेत नौ लोगों की जमानत याचिका खारिज कर दी थी और कहा था कि नागरिकों के प्रदर्शनों या विरोध प्रदर्शनों की आड़ में ₹षड्यंत्रकारी₹ हिंसा की अनुमति नहीं दी जा सकती। हाई कोर्ट ने अन्य आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिनमें मोहम्मद सलीम खान, शिफा उर रहमान, अतहर खान, मीरान हैदर, अब्दुल खालिद सैफी, गुलफिशा फातिमा और शादाब अहमद शामिल थे। सामाजिक कार्यकर्ता और जेएनयू के पूर्व छात्र खालिद दिल्ली दंगों के मामले में कथित संलिप्तता के लिए 14 सितंबर, 2020 को दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद से जेल में हैं। दिल्ली दंगों के पीछे कथित तौर पर बड़ी साजिश रचने के आरोप में उन पर बेहद सख्त यूएपीए कानून के तहत मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने आरोपों से इनकार किया और मामले में खुद को निर्दोष बताया।

देशभक्ति और देवभक्ति अलग-अलग नहीं डॉ. मोहन भागवत

एजेंसी

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने कहा कि देवभक्ति और देशभक्ति, यह दो शब्द भले ही अलग दिखते हों, लेकिन हमारे देश में यह शब्द अलग नहीं है। जो वास्तविक देवभक्ति करेगा, वह देश की भी भक्ति करेगा। और जो प्रामाणिकता से देशभक्ति करेगा, उससे भगवान देवभक्ति भी करवा लेंगे। यह तर्क नहीं है, अनुभव की बात है। सरसंघचालक जी आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा नागपुर के मानकापुर क्रीडा स्टेडियम में आयोजित सोमनाथ ज्योतिर्लिंग महारुद्र पूजा के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मंच पर आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर जी भी उपस्थित थे।सरसंघचालक जी ने कहा कि इतिहास भी जब जागा नहीं था, तबसे भारत देश अस्तित्व में है। शिवशंकर जी आदिगुरू हैं।

वोट चोरी पर भविष्य में और भी विस्फोटक सबूत पेश करेंगे : राहुल गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर वोट चोरी के अपने आरोपों को दोहराते हुए दावा किया कि भविष्य में वह इस संबंध में और भी डायनेमिक एक्सप्लोसिव (विस्फोटक) सबूत पेश करेंगे।विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में गांधी ने संवाददाताओं से कहा, महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक के चुनाव में वोट चोरी हुई है। हमने ब्लैक और व्हाइट सबूत दिए हैं। आने वाले समय में, हम और भी डायनेमिक सबूत देंगे।कांग्रेस सांसद ने कहा कि वोट चोर, गद्दी छोड़ का नारा अब पूरे देश में गूंज रहा है। उन्होंने कहा, हम आपको दिखाएंगे, भारत के युवाओं, सुनो, यही सच्चाई है और चोरी करके सरकारें बनाई जा रही हैं।गांधी ने संवाददाताओं से कहा, हम गारंटी देते हैं कि हम आपको सबूत देंगे। कांग्रेस नेता ने भाजपा नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा, भाजपा नेता जो उत्तेजित हो रहे हैं, उत्तेजित मत होइए। जब हाइड्रोजन बम आएगा, तो सब कुछ साफ हो जाएगा।राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को यहां रायबरेली में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता की।

न्यूज स्टडी

छत्तीसगढ़ में बड़ा एनकाउंटर, 10 नक्सली ढेर,

1 करोड़ का इनामी बालकृष्ण भी मारा गया

संवाददाता। रांची

रायपुर: रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा ने बताया कि क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान मैनपुर थाना क्षेत्र के जंगल में मुठभेड़ शुरू हुई। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), कोबरा (सीआरपीएफ की एक विशिष्ट इकाई - कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन) और अन्य राज्य पुलिस इकाइयों के जवान इस अभियान में शामिल हैं। अभी भी रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है।सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में गुरुवार को एक मुठभेड़ के दौरान शीर्ष माओवादी कमांडर मोडेम बालकृष्ण उर्फ ??मनोज समेत 10 नक्सलियों को मार गिराया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हालांकि, मुठभेड़ अभी भी जारी है, इसलिए संख्या बढ़ने की उम्मीद है। मुठभेड़ के बारे में जानकारी देते हुए, रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा ने बताया कि क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान मैनपुर थाना क्षेत्र के जंगल में मुठभेड़ शुरू हुई। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), कोबरा (सीआरपीएफ की एक विशिष्ट इकाई - कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन) और अन्य राज्य पुलिस इकाइयों के जवान इस अभियान में शामिल हैं। अभी भी रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है। सुरक्षा बलों ने पिछले कुछ महीनों में नक्सलियों के खिलाफ कई अभियान चलाए हैं। गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वामपंथी आतंकवाद को खत्म करने का लक्ष्य 31 मार्च, 2026 रखा है।इससे पहले, नारायणपुर जिले में विभिन्न इकाइयों के निचले स्तर के 16 नक्सलियों ने भी आत्मसमर्पण किया। पुलिस के अनुसार, नक्सली खोखली माओवादी विचारधारा और उनके द्वारा निर्दोष आदिवासियों पर किए जा रहे अत्याचारों से निराश थे। पुलिस अधीक्षक के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि वे (शीर्ष माओवादी नेता) स्थानीय लोगों को जल, जंगल और जमीन की रक्षा, समानता और न्याय के झूठे वादों से गुमराह करते हैं, और उनका शोषण और उन्हें गुलाम बनाते हैं। स्थानीय कार्यकताओं को गंभीर शोषण का सामना करना पड़ता है, और महिला माओवादियों की स्थिति और भी बदतर है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कल शाम रायपुर में नक्सलवाद से निपटने के लिए एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित सात राज्यों, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड और ओडिशा के पुलिस महानिदेशकों, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशकों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। श्री शाह ने दोहराया कि देश अगले साल 31 मार्च तक नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा।

गृह मंत्री अमित शाह ने अगले साल मार्च तक नक्सलवाद को खत्म करने का संकल्प लिया;

तेजस्वी का बड़ा आरोप: नीतीश भ्रष्टाचार के भीष्म पितामह, बिहार में बढ़ा अपराध-कुशासन

एजेंसी

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भ्रष्टाचार का भीष्म पितामह बताते हुए, बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने गुरुवार को कहा कि जनता आगामी चुनावों में राज्य के कुप्रबंधन का बदला लेगी। राष्ट्रीय जनता दल के नेता ने पटना में संवाददाताओं से कहा कि बिहार में अपराध बढ़ रहे हैं, मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री अपराधियों को पनाह दे रहे हैं। ऐसा एक भी दिन नहीं है जब राज्य में आपराधिक गतिविधियाँ न हो रही हों। बिहार में भ्रष्टाचार बढ़ गया है। नीतीश कुमार भ्रष्टाचार के 'भीष्म पितामह' बन गए हैं। सेवानिवृत्त अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके वे बिहार को लूट रहे हैं और जनता आगामी चुनावों में इसका बदला लेगी। देश भर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की संभावना के बीच, राजद नेता ने आधार कार्ड को वैध पहचान पत्र के रूप में शामिल करने की अनुमति देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि इसके संचालन के तरीके के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि मैं सर्वोच्च न्यायालय को एसआईआर के लिए आधार को पहचान पत्र के रूप में अनुमति देने के लिए धन्यवाद देता हूँ। यह हमारे लिए एक बड़ी जीत है। हम एसआईआर के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि एसआईआर को लागू करने की प्रक्रिया के खिलाफ हैं।इससे पहले 10 सितंबर को, चुनाव आयोग (ईसी) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) का एक सम्मेलन आयोजित किया और मतदाता सूचियों के राष्ट्रव्यापी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारियों का आकलन किया। यह इस वर्ष मुख्य निर्वाचन अधिकारियों का तीसरा सम्मेलन था। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की उपस्थिति में किया। चुनाव आयोग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि बिहार के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा रणनीतियों, बाधाओं और अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं पर एक प्रस्तुति दी गई ताकि देश के बाकी हिस्सों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी उनके अनुभवों से सीख सकें। यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसी भी मतदान केंद्र पर 1,200 से अधिक मतदाता न हों, आयोग की पहल का एक समान कार्यान्वयन हो,

नगर निगम: अब संपत्तियों की जियो टैगिंग व गीले-सूखे कचरे को अलग करने की सख्ती

रांची, संवाददाता ।

रांची नगर निगम ने अब एक और बड़ा कदम उठाया है. पहले निगम की संपत्तियों का डिजिटाइजेशन हुआ था, अब उन संपत्तियों की जियो टैगिंग की जाएगी. इसके लिए झारखंड स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (जेएसएसी) को जिम्मेदारी दी गई थी. जेएसएसी ने एप्लीकेशन बना लिया है और डिजिटाइजेशन का काम पूरा हो गया है. अब फील्ड विजिट करके संपत्तियों का जियो टैगिंग किया जाएगा. इसके लिए गुरुवार को निगम में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ. इसमें कर संग्रहकर्ता, राजस्व निरीक्षक, जोनल व वार्ड सुपरवाइजर, कनिष्ठ अभियंता और सभी फील्ड स्टाफ को एप्लीकेशन की जानकारी दी गई. कार्यक्रम में उप प्रशासक गौतम प्रसाद साहू, सहायक प्रशासक चंद्रदीप कुमार, मुकेश रंजन, निकेश कुमार और निगम के अन्य अधिकारी मौजूद रहे.

कचरा पृथक्करण पर निगम की कड़ी कार्रवाई

इसी दिन प्रशासक सुशांत गौरव की अध्यक्षता में एक बैठक हुई. बैठक का मकसद था झ शहर में गीले और सूखे कचरे को अलग करना (स्रोत पृथक्करण) और इसे हर घर व प्रतिष्ठान तक लागू कराना. प्रशासक ने कहा कि स्वच्छ रांची, स्वस्थ रांची तभी संभव है जब हर नागरिक सहयोग करे और अपने घरों व प्रतिष्ठानों से निकलने वाला गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखे.

त्यौहारों से पहले सफाई पर जोर

प्रशासक ने आदेश दिया कि दुर्गा पूजा और आने वाले त्यौहारों को देखते हुए 'सफाई तो होकर रहेगी 4.0' अभियान को और तेज किया जाए. ताकि पूजा समितियों और श्रद्धालुओं को साफ-सुथरा वातावरण मिल सके. बैठक में अपर प्रशासक संजय कुमार, सभी सहायक प्रशासक, इनफोर्समेंट शाखा, स्वच्छता शाखा, स्वच्छता कॉरपोरेशन, पीएमसी और जोनल सुपरवाइजर मौजूद रहे.

बैठक के मुख्य निर्देश

- निगम की पूरी टीम बड़े पैमाने पर अभियान चलाए और 100% लक्ष्य हासिल करे.
- कचरा उठाने वाली हर गाड़ी में जिंगल बजे, जिसमें कचरा अलग करने की अपील और पेनल्टी की जानकारी हो.
- इनफोर्समेंट ऑफिसर अपने-अपने वार्ड में गाड़ियों की मॉनिटरिंग करें.
- सभी बैंक्वेट हॉल, होटल, धर्मशाला, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और प्रतिष्ठानों को लगातार निर्देश दिया जाए कि वे कचरा अलग-अलग दें.
- नियम न मानने वालों के भवन/प्रतिष्ठान पर नोटिस चस्पा किया जाए.

जुर्माना और कार्रवाई (झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 के तहत)

- नोटिस के बाद भी मिश्रित कचरा देने पर रु 5000 तक जुर्माना.
- सड़क या सार्वजनिक जगह पर कचरा डालने पर रु 5000 तक जुर्माना.
- निर्माण मलबा (C&D वेस्ट) सड़क पर डालने पर रु 5000 तक जुर्माना.
- सिंगल यूज प्लास्टिक मिलने पर सामान जब्त और जुर्माना.
- हर प्रतिष्ठान में दो डस्टबिन जरूरी झ एक गीले और एक सूखे कचरे के लिए. नहीं रखने पर जुर्माना और बार-बार गलती करने पर ट्रेड लाइसेंस रद्द.

रांची में सीआईएससीई राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप का शुभारंभ, पहले दिन हुए रोमांचक मुकाबले

रांची, संवाददाता ।

राजधानी में तीन दिवसीय सीआईएससीई राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप 2025 का भव्य शुभारंभ हुआ. इस प्रतियोगिता का आयोजन फादर फुलदेव सोरेन के नेतृत्व में किया जा रहा है, जिसमें रांची समेत देशभर के क्ठरए स्कूलों के छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं. तीन आयु वर्ग (अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19) के खिलाड़ी प्रतियोगिता में अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगे.

उद्घाटन समारोह में ये रहे उपस्थित

इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि खेलकूद विभाग, झारखंड सरकार के निदेशक आईएएस शेखर जनवर उपस्थित रहे. कार्यक्रम की शुरूआत मेहमानों का स्वागत, पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया. इसके बाद Carmel Convent, Samlong की छात्राओं ने मनमोहक स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया.

बच्चे खेल के क्षेत्र में कर रहे देश का नाम रौशन

मुख्य अतिथि शेखर जनुआर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मैंने भी अपने जीवन के कई महत्वपूर्ण पल खेल के क्षेत्र में बिताए हैं. हॉकी हमारे देश का गौरव रहा है और वर्तमान समय में इसकी लोकप्रियता फिर से बढ़ रही है. शेखर जुनआर ने आयोजकों को बधाई दी और कहा कि उन्होंने ऐसा मंच तैयार किया, जहां देशभर से युवा खिलाड़ी एकत्रित होकर न केवल प्रतिस्पर्धा करेंगे, बल्कि एकता और खेल भावना का भी उदाहरण प्रस्तुत करेंगे. आईएएस अफसर ने कहा कि पहले यह मान्यता थी कि सिर्फ पढ़ाई में ही सफलता संभव है. लेकिन आज बच्चे खेलों में भी आगे बढ़कर देश का नाम रौशन कर रहे हैं. देश को आप जैसे युवाओं की आवश्यकता है. उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप खेल में चैंपियनशिप बनने के साथ-साथ जीवन में भी विजेता बनें. मुख्य अतिथि के संबोधन के बाद सभी प्रतिभागियों ने खेल भावना, अनुशासन और नियमों के पालन की शपथ ली. इसके पश्चात Mazzarello Convent School की छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति दी. चैंपियनशिप की औपचारिक शुरूआत Jacqueline Advin ने की. कार्यक्रम के अंत में ASISC की अध्यक्ष अबा शाह ने सभी प्रतिभागियों, प्रशिक्षकों, आयोजकों और दर्शकों का आभार प्रकट किया.

मुख्यमंत्री से झारखंड कल्चरल आर्टिस्ट एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

रांची, संवाददाता ।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुवार को प्रोजेक्ट भवन में झारखंड कल्चरल आर्टिस्ट एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की. प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने सीएम से कहा कि कला संस्कृति, खेल-कूद एवं युवा कार्य विभाग द्वारा न सिर्फ झारखंड के कलाकारों को उनकी विशिष्ट पहचान सुरक्षित करने के लिए सीटीएमएस जैसी सक्षम प्रणाली विकसित करके उनके हितों की रक्षा का मार्ग प्रशस्त किया है. बल्कि सरकार के द्वारा ललित कला अकादमी, साहित्य अकादमी और संगीत नाटक अकादमी के गठन का प्रस्ताव पारित करके राज्य में कला-संस्कृति के विकास में नींव का पत्थर स्थापित किया है. इन सभी उपलब्धियों के लिए झारखंड कल्चरल आर्टिस्ट एसोसिएशन आपके प्रति अपना हार्दिक आभार प्रकट करता है.

सीएम के संज्ञान के बाद मां-बेटी संग छेड़खानी व मारपीट का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

रांची, संवाददाता ।

सीएम के संज्ञान के बाद रांची पुलिस ने बीआईटी मेसरा ओपी क्षेत्र में मां-बेटी के साथ छेड़खानी और मारपीट करने के मुख्य आरोपी जहीर शेख को गिरफ्तार कर लिया है. यह मामला तब सामने आया जब स्थानीय पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं किए जाने पर इसकी शिकायत सीधे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से की गई थी.

घर में घुसकर दुष्कर्म करने का प्रयास

दरअसल बीते दिनों रांची के बीआईटी ओपी क्षेत्र में रहने वाले एक हो जनजाति परिवार के घर में घुसकर कुछ लोगों ने एक महिला और उसकी नाबालिग बेटी के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म करने का प्रयास किया. जब मां-बेटी ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उन पर लोहे की रॉड से हमला किया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गईं. शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण इकट्ठा हो गए, जिसके बाद आरोपी मौके से भाग गए. पीड़ित परिवार ने इस घटना की सूचना तुरंत बीआईटी पुलिस को दी, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने इस मामले में कोई गंभीरता नहीं दिखाई और न ही कोई कार्रवाई की.

पीड़ित परिवार ने सीधे सीएम से की शिकायत

न्याय की आस में, पीड़ित परिवार ने एक्स के माध्यम से सीधे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को इस घटना की जानकारी दी. मुख्यमंत्री ने इस पर तुरंत संज्ञान लिया और रांची पुलिस को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए. उन्होंने घायल मां-बेटी को बेहतर इलाज मुहैया कराने और आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई करने का आदेश दिया. मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद, रांची पुलिस हरकत में आई और मुख्य आरोपी जहीर शेख को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस अब इस मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है.

आजसू के पूर्व विधायक लंबोदर महतो व उनके दामाद राजेश कुमार की संपत्ति जांच के लिए पीआईएल

रांची। आजसू के पूर्व विधायक लंबोदर महतो के खिलाफ आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित करने का आरोप लगाते हुए झारखंड हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है. याचिका में कहा गया है कि पूर्व विधायक ने कई स्रोतों से काफी अधिक संपत्ति अर्जित की है. इस याचिका में उनके दामाद राजेश कुमार के संपत्ति में भी इन्वेस्टमेंट बताया गया है. वर्तमान में राजेश कुमार डिप्टी डायरेक्टर साझा के पद पर पदस्थापित हैं. गढ़वा के रहने वाले उपेंद्र कुमार ने जनहित याचिका में दस्तावेज संलग्न करते हुए यह तथ्य प्रस्तुत किया है कि राजेश कुमार ने रांची के ऐदलहातू में घर मनाया है जिसकी कीमत 3 करोड़ से ऊपर है. इससे पूर्व कई अंचलों में अंचलाधिकारी के पद पर पदस्थापित रहते हुए और अपने ससुर लंबोदर महतो और उनकी पत्नी के साथ मिलकर 100 करोड़ से अधिक संपत्ति अर्जित की है. इसके साथ ही लंबोदर महतो की संपत्ति की भी पूरी जानकारी याचिका में दी गई है. जिसके मुताबिक लंबोदर महतो का तीन तल्ला मकान लोवाडिह, रांची में है, 2 प्लॉट भी लोवाडीह रांची में है, 4 एकड़ जमीन कसमार, बोकारो में है, गोमिया में भी खाता नंबर 223 प्लॉट संख्या 679 है, इसके अलावा खाता नंबर 141, प्लॉट नंबर 1513 रकबा 19 डिसमिल है।

अपनी कुर्सी बचाने के लिए सूर्या हांसदा के नाम पर राजनीति कर रहे बाबूलाल: कांग्रेस

रांची, संवाददाता ।

भाजपा के आक्रोश मार्च पर प्रदेश कांग्रेस ने नेता प्रतिपक्ष को घेरा है. प्रदेश कांग्रेस के महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि अब अपराधियों के हौसले बुलंद करने के लिए भाजपा सड़क पर उतर आई है, भाजपा के लिए राज्य की जनता की सुरक्षा से ज्यादा एक अपराधी की सुरक्षा की चिंता है. बाबूलाल मरांडी जिस तरह सूर्या हांसदा पर अपनी राजनीतिक कर रहे हैं, यह समाज के लिए ठीक नहीं है. वे अपनी कुर्सी बचाने के लिए सूर्या हांसदा के नाम पर राजनीति कर रहे हैं. पुलिस ने अपनी जिम्मेवारी निभाई है. भाजपा इसे राजनीतिक रंग दे रही है.

मुद्दा मुक्त हो चुकी है भाजपा

सिन्हा ने कहा कि वे अब एक अपराधी के एनकाउंटर पर सवाल

खड़ा कर अपनी राजनीति कर रही है ताकि समाज में न्याय और कानून व्यवस्था पर असर पड़े. सरकार को बदनाम कर अपनी राजनीति कर सकें. भाजपा अब पूरी तरह मुद्दा मुक्त हो चुकी है, जिस प्रकार राज्य में युवाओं को रोजगार मिल रहा है, नियुक्ति पत्र दी जा रही है, ऐसे में भाजपा अब पूरी तरह हताश हो चुकी है. हताशा में एक अपराधी के चेहरे के माध्यम से अपनी वैतरणि पार करना चाहती है.

रांची में प्रशासन ने की दुर्गा पूजा की तैयारियों की समीक्षा

रांची, संवाददाता ।

दुर्गा पूजा करीब है और इसको देखते हुए रांची जिला प्रशासन ने पूजा पंडालों की तैयारियों का जायजा लिया. उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री और वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा ने गुरुवार को शहर के कई बड़े पंडालों का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उनके साथ कई वरीय अधिकारी मौजूद थे, जिनमें अपर जिला दंडाधिकारी राजेश्वर नाथ आलोक, पुलिस अधीक्षक (शहर) अजीत कुमार, एसडीओ सदर उत्कर्ष कुमार, नगर निगम और बिजली विभाग के पदाधिकारी भी शामिल रहे.

ट्रैफिक और सुरक्षा पर भी ध्यान

एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने कहा कि पंडालों के आसपास यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए पुलिस की ओर से विशेष इंतजाम किए जाएंगे. उन्होंने पूजा समितियों से भी अपील की कि भीड़ प्रबंधन में प्रशासन का सहयोग करें.

किन-किन पंडालों का हुआ निरीक्षण?

रातु रोड, गौशाला रोड, बकरी बाजार, झंडा चौक डोरंडा, काली बाड़ी और जिला स्कूल समेत कई प्रमुख पंडालों में तैयारियों की स्थिति देखी गई.

प्रशासन ने दिए ये अहम निर्देश:

- पंडालों में फायर सेफ्टी की पूरी व्यवस्था रहे.
- हर जगह अलग एंट्री और एग्जिट गेट हों ताकि भीड़ में अफरा-तफरी न मचे.
- बिजली आपूर्ति के लिए बैकअप जेनरेटर तैयार रखा जाए और तारों की सुरक्षा जांच हो.
- पूजा समितियां प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में रहें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सूचना दें.

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सबसे ऊपर

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि जिला प्रशासन की प्राथमिकता श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा है. उन्होंने पूजा समितियों से अपील की कि वे मिलकर इस पर्व को शांतिपूर्ण और हर्षोल्लास के माहौल में सफल बनाएं. प्रशासन ने आश्वासन दिया कि पूजा समितियों को हर संभव मदद दी जाएगी और पूरे जिले में शांति और सुरक्षा का माहौल बनाए रखने के लिए सभी विभाग मिलकर काम करेंगे.

खाटूनरेश का केशर चंदन तिलक श्रृंगार संपन्न

रांची, संवाददाता ।

हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में गुरुवार को श्याम प्रभु का केशर चंदन तिलक श्रृंगार किया गया। ज्ञातव्य है कि भाद्रपद की पूर्णिमा पर चंद्रग्रहण के कारण श्याम बाबा का महास्नान अनुष्ठान कराया गया था। सम्पूर्ण मंदिर परिसर को ग्रहण शुद्ध होने के बाद मण्डल के सदस्यों ने मण्डल अध्यक्ष गोपाल मुरारका के दिशा निर्देश पर मंदिर परिसर की साफ सफाई रात्रि समय की थी। इसके पश्चात ब्रह्ममुर्त में मंडल अध्यक्ष गोपाल मुरारका कोषाध्यक्ष मनोज खेतान श्याम सुंदर शर्मा एवं मंदिर के आचार्य ने मिलकर बाबा श्याम का महास्नान अनुष्ठान विधि विधान से सम्पन्न करवाया था। इसके बाद से ही बाबा श्यामल रूप में भक्तों को दर्शन दे रहे थे। आज आश्विन कृष्ण पक्ष चतुर्थी पर दोपहर के बाद बाबा श्याम का तिलक श्रृंगार किया गया। नवीन पोशाक बागा सेवा कुसुम कुमारी द्वारा निवेदित की गई थी। कोलकात्ता

से मंगाए गए कमल फूल मुरुगन फूल लाल गुलाब पीला गेंदा तुलसीदल रजनीगंधा की मोटी मोटी मालाओं से बाबा श्याम को सजाया गया। सर्वप्रथम केशर एवं चंदन के मिश्रण से बाबा को अद्भुत रूप में सजाकर नवीन पोशाक बागा पहनाकर रूह इत्र की मालिश कर अन्य श्रृंगार एवं आभूषण पहनाकर पंचमेवा का भोग लगाया गया। संध्या 5.30 बजे के बाद जब पट खुले तो भक्तों ने बाबा के तिलक श्रृंगार के दर्शन किए। अमित अग्रवाल श्रीमती मनीषा अग्रवाल ने पंचमेवा का भोग लगाया एवं शनिवार को बाबा श्याम एवं सभी देवी देवताओं सहित गुरुजनों को पहनाए जाने वाले नवीन पोशाक बागा का संकल्प पूजन करवाया।

खून के थक्के से नीला पड़े हाथ का पारस हॉस्पिटल में हुआ सफल इलाज

रांची, संवाददाता ।

पारस हॉस्पिटल एचईसी के डॉक्टरों ने टीम वर्क के साथ काम कर एक मरीज की जान बचाई है। हॉस्पिटल के कार्डियोलॉजिस्ट, प्लास्टिक माइक्रोवैस्कुलर सर्जन, इंटेंसिविस्ट और एनेस्थीसिया टीम ने मिलकर शानदार समन्वय के साथ मरीज की जान और अंग दोनों को बचाया। पारस हॉस्पिटल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. महेश कुशवाहा और प्लास्टिक एवं पुनर्निर्माण सर्जन डॉ. विवेक गोस्वामी की देखरेख में अब मरीज पुरी तरह से ठीक हो गया है। इस संबंध में डॉ. महेश कुशवाहा ने कहा कि मरीज के हाथ के नसों में खून का थक्का बन गया था। किसी भी खून की नली में खून का थक्का का अचानक या तुरंत भरने से समस्याएं आ जाती है। उसी प्रकार इस मरीज के हाथ के खून के नसों में खून का थक्का जम गया था। हाथ नीला पड़ रहा था। हाथ बिल्कुल काम नहीं कर रहा था। यह बहुत रेयर बीमारी होता है। इसका इलाज तुरंत किया जाता है। तुरंत ही मरीज के हाथ का एंजियोग्राफी किया गया। यह एंजियोग्राफी रांची के सभी सेंटर या हॉस्पिटल में संभव नहीं है। पारस

हॉस्पिटल में इसकी सुविधा उपलब्ध है। किस बीमारी के इलाज के लिए एक्सपर्ट डॉक्टर की जरूरत पड़ती है। उसके बाद नसों में जमे खून के थक्के को हटाया गया। इलाज के बाद 24 घंटे के अंदर उसे मरीज का हाथ काम करने लगा। खून का फ्लो भी शुरू हो गया। जो हाथ नीला पड़ गया था, वह सामान्य हो गया। बीपी, पल्स आदि भी सामान्य तरीके से ठीक हो गया। यह रेयर डिजिटल है और इसे स्पेशलिस्ट डॉक्टर ही ठीक कर सकते हैं। पारस में इस तरह के इलाज की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध है। हार्ट की नसों में ब्लॉकेज का इलाज के अलावा पारस हॉस्पिटल में हाथ या पैर के नसों, किडनी की नसों, गर्दन की नसों में ब्लॉकेज का इलाज करते हैं। फेफड़ों की नली में भी खून के थक्के जम जाते हैं। इसका भी इलाज पारस हॉस्पिटल में उपलब्ध है। पारस हॉस्पिटल में इस तरह के कई मरीजों का इलाज किया गया है। डॉ कुशवाहा ने कि इस मरीज के मामले में डॉ. विवेक गोस्वामी से परामर्श लिया गया और मरीज को तुरंत वैस्कुलर सर्जरी के लिए ले जाया गया। मरीज को एक ही समय पर दो या दो से अधिक बीमारियां और रक्तस्राव की गंभीर स्थिति थी, इसके बावजूद एनेस्थीसिया टीम ने सफल सर्जरी हुई। पारस हॉस्पिटल एचईसी के फैसिलिटी निदेशक डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि मरीज बहुत ही गंभीर रूप से बीमार हो कर हॉस्पिटल पहुंचा था। इसकी हालत बहुत ही क्रिटिकल थी। लेकिन अनुभवी डॉक्टरों और उनकी टीम के अथक प्रयास से मरीज की जान बच गयी। यह केस पारस हॉस्पिटल की 24७7 सक्रिय कैथ लैब और समर्पित मेडिकल टीम की प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

गांवों में शिक्षा व जानकारी की नई पहल : पंचायत ज्ञान केंद्र खोलेगी सरकार

रांची, संवाददाता ।

झारखंड सरकार अब ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और जानकारी के स्तर को बेहतर बनाने के लिए बड़ी पहल करने जा रही है. राज्य के 999 पंचायतों में लगभग 45 करोड़ रुपये की लागत से पंचायत ज्ञान केंद्र स्थापित किए जाएंगे. इसके लिए विभागीय स्तर पर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. ज्ञान केंद्र न केवल सरकारी योजनाओं की जानकारी और शिकायतों के समाधान का माध्यम होंगे, बल्कि ग्रामीण युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, ई-लर्निंग और पुस्तकालय की सुविधा भी मिलेगी.

चरणबद्ध तरीके से खुल रहे ज्ञान केंद्र

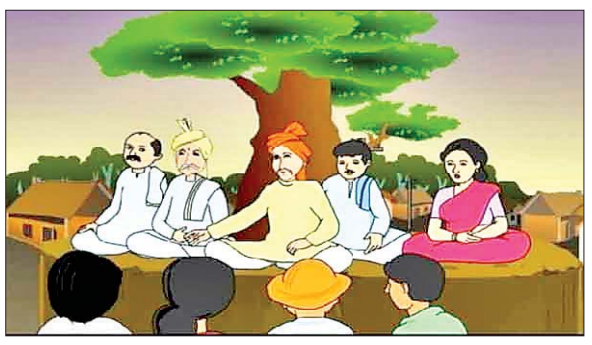

पंचायती राज विभाग के मुताबिक, इस योजना की शुरूआत 2022-23 में हुई थी. पहले साल 500 पंचायतों में केंद्र खोले गए. इसके बाद 2023-24 में 1000, 2024-25 में 998, 2025-26 में 999 और 2026-27 में शेष पंचायतों में इन्हें स्थापित किया जाएगा.

गांवों में बढ़ेगी पढ़ने-लिखने की संस्कृति

पंचायत ज्ञान केंद्र का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समाज में पठन-पाठन और स्व-शिक्षा की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना है. यह केंद्र सरकारी योजनाओं की सही जानकारी उपलब्ध कराएंगे, साथ ही ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल संसाधनों से जोड़ेंगे. ग्रामीण समुदाय के लिए सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में काम करेंगे.

केंद्र से मिलेंगी ये सुविधाएं

इन केंद्रों के माध्यम से पंचायत प्रतिनिधि, किसान, महिलाएं और युवा सप्ताह के सातों दिन प्रशिक्षण व शिक्षा ले सकेंगे. साथ ही सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार,क्षमता निर्माण और जन-जागरूकता कार्यक्रम,बाजार की जानकारी और ग्रामीण उद्यमियों व स्व-सहायता समूहों के लिए आय के अवसर भी उपलब्ध कराए जाएंगे.

ये सामग्री रहेगी उपलब्ध

हर पंचायत ज्ञान केंद्र में बुक अलमीरा, डेस्क, कुर्सियां, कंप्यूटर व प्रिंटर, एलईडी स्क्रीन, वाटर प्यूरिफायर, सूचना बोर्ड, पंखे, मैगजीन स्टैंड, सोलर लाइट और स्टेशनरी की सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी.

ऐसे होगा संचालन

पुस्तकालय को और समृद्ध करने के लिए राज्यव्यापी पुस्तक दान अभियान चलाया जाएगा. ये केंद्र इंटरनेट से जुड़कर राज्य स्तरीय केंद्रीय डिजिटल पुस्तकालय से कनेक्ट रहेंगे. संचालन के लिए एक लाइब्रेरियन नियुक्त होगा और पंचायत की निगरानी में पुस्तकालय प्रबंधन एवं सलाह समिति गठित की जाएगी. इसमें मुखिया, पंचायत सेवक, रिटायर्ड शिक्षक, महिला संगठन की प्रतिनिधि, युवाओं और हेडमास्टरों को शामिल किया जाएगा.

हेमंत सोरेन ने दुर्गा पूजा से पहले 2200 सहायक पुलिसकर्मियों को दी बड़ी सौगात

संवाददाता । रांची

रांची ।झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने राज्य के सहायक पुलिसकर्मियों को दुर्गा पूजा से पहले बड़ी सौगात दी है. सीएम ने सहायक पुलिसकर्मियों को 1 साल का सेवा विस्तार देने का आदेश दिया है. इस आदेश के आधार पर गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग इससे संबंधित प्रस्ताव को मंत्रिपरिषद के समक्ष स्वीकृति के लिए भेजेगा.झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सहायक पुलिसकर्मियों को दुर्गा पूजा से पहले बड़ी सौगात दी है. झारखंड के सीएम ने एक वर्ष के लिए अनुबंध के आधार पर सेवा अवधि में विस्तार देने का आदेश दिया है. सीएम के आदेश के बाद अब गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग इससे संबंधित प्रस्ताव को मंत्रिपरिषद के समक्ष स्वीकृति के लिए भेजेगा.2,200 सहायक पुलिसकर्मियों ने ली राहत की सांसमुख्यमंत्री के इस आदेश से झारखंड में अनुबंध पर नियुक्त 2,200 सहायक पुलिसकर्मियों (महिला और पुरुष) ने राहत की सांस ली है. इन सबको अपनी नौकरी जाने की चिंता सता रही थी. सहायक पुलिसकर्मियों की सेवा अवधि 8 अगस्त से 30 अगस्त 2025 के बीच सभी 12 जिलों (दुमका, सिमडेगा, गुमला, खूंटी, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, गिरिडीह, पलामू, गढ़वा, चतरा, लोहरदगा और लातेहार) में समाप्त होने वाली थी.गृह विभाग और पुलिस मुख्यालय से इस संबंध में अब तक कोई आदेश जारी नहीं हुआ. इसलिए सहायक पुलिसकर्मियों को आशंका थी कि रक्षाबंधन के दौरान ही अनुबंध समाप्ति का लेटर उन्हें थमाया जा सकता है. हेमंत सोरेन के इस आदेश से अब उनकी चिंता समाप्त हो जायेगी. सीएम के आदेश के बाद गृह विभाग की ओर से एक प्रस्ताव कैबिनेट में भेजा जायेगा. कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद सहायक पुलिसकर्मियों की सेवा एक साल के लिए बढ़ जायेगी.वर्ष 2024 में लंबे समय तक चले आंदोलन के बाद सहायक पुलिसकर्मियों की मांगों पर विचार किया गया था. उनका वेतन 10 हजार रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 13 हजार रुपए कर दिया गया था. झारखंड सहायक पुलिसकर्मी एसोसिएशन के सचिव विवेकानंद गुप्ता ने कहा था कि सहायक पुलिसकर्मियों से जिला पुलिस का काम लिया जाता है, लेकिन वेतन होमगार्ड से भी कम है. इस पर भी विचार किया जाये.

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से झारखंड कल्चरल आर्टिस्ट एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

संवाददाता । रांची

रांची ।मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से आज झारखंड मंत्रालय में झारखंड कल्चरल आर्टिस्ट एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन के समक्ष प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने संयुक्त रूप से कहा कि यह हर्ष का विषय है कि आपके कुशल नेतृत्व में कला संस्कृति, खेल-कूद एवं युवा कार्य विभाग द्वारा न सिर्फ झारखंड के कलाकारों को उनकी विशिष्ट पहचान सुरक्षित करने के लिए सीटीएमएस जैसी सक्षम प्रणाली विकसित करके उनके हितों की रक्षा का मार्ग प्रशस्त किया है बल्कि सरकार के द्वारा ललित कला अकादमी, साहित्य अकादमी और संगीत नाटक अकादमी के गठन का प्रस्ताव पारित करके राज्य में कला-संस्कृति के विकास में नींव का पत्थर स्थापित किया है। इन सभी उपलब्धियों के लिए झारखंड कल्चरल आर्टिस्ट एसोसिएशन आपके प्रति अपना हार्दिक आभार प्रकट करता है। इस अवसर पर विधायक श्री भूषण तिर्की तथा प्रतिनिधिमंडल में पद्मश्री श्री मधु मंसूरी, झारखंड कल्चरल आर्टिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री राजकुमार नागवंशी, सचिव डॉ० राकेश रमण, संस्थापक श्रीकांत इंदुवार, डॉ० सुशील अंकन, डॉ० जयकांत इंदुवार, श्री बंदी उरांव, श्री अमित तिर्की, श्री राहुल महली सहित अन्य उपस्थित थे।

ब्रीफ न्यूज

मध्य विद्यालय,बोड़ेया के सभागार में प्रखण्ड स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

संवाददाता । रांची

Ranchi speaks '२ के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज दिनांक -11.09.2025 को रा० मध्य विद्यालय,बोड़ेया के सभागार में प्रखण्ड स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आरंभ छात्र-छात्राओं के भाषाई अभिव्यक्ति एवं कौशल के विकास हेतु किया गया था। इस प्रतियोगिता में कांके प्रखंड के अंतर्गत सभी 11 संकुल स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में वर्ग 1 से 5 समूह तथा वर्ग 6 से 8 समूह में प्रथम स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं ने भाग लिया । इस प्रतियोगिता में विजेता छात्र-छात्राएं निम्नवत रहे-
वर्ग 1 से 5-प्रथम-फलक परवीन-रा० प्राथमिक विद्यालय,खिजूर टोली, उर्दू द्वितीय -सुरैया नाज,रा० प्राथमिक विद्यालय, हुसीर उर्दू तृतीय-संगीता कुमारी,रा० उत्क्रमित मध्य विद्यालय, जयपुर कोंगे वर्ग 6 से 8-प्रथम-अनुष्का परवीन,रा० उत्क्रमित मध्य विद्यालय,कोल्या कनादु द्वितीय -सुनैना कुमारी, रा० बुनियादी विद्यालय, मेसरातृतीय-नैनू कुमारी,रा० मध्य विद्यालय, बोड़ेया इस अवसर पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मंजुला बिलुंग, निकासी एवं ब्ययन पदाधिकारी राजेश कुमार, अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रवक्ता नसीम अहमद,#फंल्लूँ२स्त्रीं'२ के प्रखंड स्तरीय एवं संकुल स्तरीय समन्वयक तथा संबंधित विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

मौलाना आजाद कॉलेज रांची में पहली बार रक्तदान शिविर में 22 यूनिट रक्तदान एकत्रित हुआ.... लहू बोलेगा

संवाददाता । रांची

रांची: भारत के प्रथम केंद्रीय शिक्षा मंत्री भारत रत्न मौलाना अबुल कलाम आजाद द्वारा स्थापित मौलाना आजाद कॉलेज में आज पहली बार रक्तदान-महादान शिविर आदरणीय ₹दिशोम गुरु₹ शिबू सोरेन एवं हाजी हुसैन अंसारी की याद में लगा ।जिसमें अधिकत्तर छात्र/छात्राएं एवं प्राचार्य/स्टाफ के द्वारा 22 यूनिट रक्तदान एकत्रित हुआ जो सामुदायिक ब्लड बैंक ₹नागरमल मोदी सेवा सदन अस्पताल ब्लड बैंक को समर्पित किया गया ।कॉलेज प्रबंधन द्वारा प्रत्येक रक्तदाता को मैडल एवं सर्टिफिकेट एवं छात्र यूनियन द्वारा रसगुल्ला एवं जूस दिया गया ।जिसका उद्घाटन रांची सिविल सर्जन श्रीमान डॉ प्रभात कुमार जी के द्वारा हुआ ।शिविर में अंजुमन इस्लामिया रांची सह मौलाना आजाद कॉलेज के अध्यक्ष हाजी मोख्तार अहमद,कॉलेज के सचिव इम्तियाज अली,प्राचार्य प्रोफेसर परवेज अख़्तर,इंटर इंचार्ज मौलाना डॉ ओबैदुल्लाह कासमी,छात्र यूनियन के इकबाल खान,सचिव सबरे आलम सहित लहू बोलेगा के नदीम खान उपस्थित थे ।रक्तदान करने वालों में प्राचार्य प्रोफेसर परवेज अख़्तर,इकबाल खान,कॉलेज स्टाफ रमजान, अदीब,सगीर,खालिद,छात्र अदनान,शंकर, सचिन,छात्रा सलोनी रागनी,नीतू कुमारी समेत अन्य ने किया ।मुख्य अतिथि डॉ प्रभात कुमार महोदय को कॉलेज प्रबंधन द्वारा मोमेंटो,बुके और अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया, वही लहू बोलेगा ने मुख्य अतिथि समेत कॉलेज के अध्यक्ष, सचिव,प्राचार्य,छात्र यूनियन अध्यक्ष को झारखंडी अंगवस्त्र देकर आभार व्यक्त किया ।मुख्य अतिथि डॉ प्रभात कुमार ने कहा कि मुझे खुशी है कि मौलाना आजाद कॉलेज में पहली बार रक्तदान शिविर लगा जिसमें खुद प्राचार्य महोदय ने रक्तदान कर छात्र और सभ्य समाज को जागरूक करने का कार्य किया ।रक्तदान करने से कई तरह की बीमारियों से जागरूक भी लोग हो जाते है साथ ही रक्तदान करने से पूर्णरूप से स्वस्थ रहते है।

अध्यक्ष हाजी मोख्तार अहमद साहब ने कहा कि यहां पहली बार रक्तदान लगाना बहुत खुशी है पर पूर्व में लगाना चाहिए भी था ।कॉलेज में रक्तदान शिविर आगे भी लगते रहें यही उम्मीद करता हूँ।

लहू बोलेगा के नदीम खान ने कहा कि अब मौलाना आजाद कॉलेज से रक्तदान शिविर के द्वारा लोगों की जान भी बचाई जाएगी तो शैक्षणिक संस्थानों का बेहद मानवीय/सामाजिक सरोकारों का बेहद उत्कृष्ट उदाहरण है।

कार्यक्रम में प्रोफेसर इलियास मजीद, लाइब्रेरियन गुलफरहा,प्रोफेसर महमूद,परवेज अहमद,आरिफ, रियाज समेत अन्य शामिल थे।

मांडर में चेहलुम मेला का हुआ भव्य आयोजन, अस्त्र-शस्त्र की नुमाइश ने खींचा लोगों का ध्यान

संवाददाता । रांची

मांडर : प्रखंड के मलती चेहलुम सेंट्रल कमिटी की ओर से दुमदुमिया कर्बला मैदान में चेहलुम मेला का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ कांग्रेस पार्टी के अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष शमीम अख्तर और झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष रोशन तिग्गा ने तलवार की नुमाइश कर किया ।जिला अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि ह्लचेहलुम बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। मुस्लिम समाज के लोगों को इमाम हसन और इमाम हुसैन के बताए रास्ते पर चलना चाहिए ।इस मौके पर कई गांवों के अखाड़ों के युवाओं ने अस्त्र-शस्त्र की शानदार नुमाइश प्रस्तुत की। आयोजन से जहां मनोरंजन की झलक दिखी, वहीं सामाजिक सौहार्द का भी संदेश गया ।मेले में चेहलुम कमिटी के सदर जुमाउद्दीन अंसारी, अंजुमन कमिटी मांडर के सदर नूरूल्लाह नदवी, विधायक प्रतिनिधि आबिद अंसारी, उपप्रमुख अमानत अंसारी, मासूक अंसारी, अबुजर अंसारी, इसरोज अंसारी, मोजाहिद, अमानत, शमीम, नेयाजुल खान, गुलजार अंसारी समेत चेहलुम कमिटी के तमाम पदाधिकारी व ग्रामीण मौजूद रहे।,

एसबीआई महिला समिति ने की अपना घर आश्रम में सेवा भाव का सराहनीय प्रयास

संवाददाता । रांची

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की महिला समिति ने मानव सेवा की अनुकरणीय मिसाल पेश करते हुए श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग, रांची स्थित सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम (सत्य-प्रेम सभागार) को एक वॉशिंग मशीन, एक मिक्सी एवं आवश्यक खाद्य सामग्री प्रदान की। यह सहयोग दिव्यांग एवं निराश्रित जनों की सेवा हेतु प्रदान किया गया, जिससे आश्रम में निवास कर रहे 40 से अधिक दीनबंधुओं को दैनिक जीवन में सुविधा प्राप्त होगी। इस पुनीत कार्य के लिए ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता संजय सर्राफ ने महिला समिति का आभार व्यक्त करते हुए उनके सेवा भाव की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे सहयोग से न केवल संसाधनों की पूर्ति होती है, बल्कि समाज में संवेदनशीलता एवं दायित्वबोध का संदेश भी प्रसारित होता है सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम वर्षों से दिव्यांग एवं निराश्रितों की सेवा में संलग्न है, और एसबीआई महिला समिति का यह योगदान उनके प्रयासों को और अधिक सशक्त बनाएगा। यह सेवा भाव सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर-ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, प्रवक्ता संजय सर्राफ, पुजारी अरविंद पांडेय, महेश वर्मा,मुरली प्रसाद,सुधीर कुमार, सत्यम कुमार,परमेश्वर साहु,आशीष कुमार एसबीआई महिला समिति की उपाध्यक्ष राजश्री, सचिव उषा रानी, कोषाध्यक्ष रश्मि कुमारी,रेनू बरनवाल, मालती, रेनू सिन्हा, विनीता, कंचन, प्रीति, गीता, पुष्पा, सरिता, नीता, सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

एचडीएफसी हाइब्रिड इक्विटी फंड के 25 साल का पीएमपीके वेल्थ में मना जश्न

संवाददाता । रांची

रांचीः एचडीएफसी हाइब्रिड इक्विटी फंड ने अपनी स्थापना के 25 वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर रांची की अग्रणी वित्तीय सलाह कंपनी पीएमपीके वेल्थ प्राइवेट लिमिटेड और एचडीएफसी म्युचुअल फंड, रांची शाखा ने इसका जश्न मनाया। पीएमपीके वेल्थ के निदेशक प्रदीप जैन ने बताया कि इस फंड को 11 सितंबर 2000 को लॉन्च किया गया। यह फंड 24,000 करोड़ से अधिक एसेट अंडर मैनेजमेंट के साथ देशभर के लाखों निवेशकों के पोर्टफोलियो का अहम हिस्सा बन चुका है। यह एक एग्रेसिव हाइब्रिड फंड है, जिसमें वर्तमान में लगभग 70 प्रतिशत निवेश इक्विटी में और 30 प्रतिशत डेट में किया गया है. एचडीएफसी म्युचुअल फंड रांची के शाखा प्रबंधक सौरव किसलय ने बताया कि इस योजना का संचालन अनुभवी फंड मैनेजर श्रीनिवासन राममूर्ति और अनुपम जोशी द्वारा किया जा रहा है, जो इसे समयानुकूल रूप से बैलेंस और उच्च गुणवत्ता वाला बनाए रखते हैं। एचडीएफसी म्युचुअल फंड ने निवेशकों का भरोसा जीता है। इसलिए निवेशक ने 4.15 लाख करोड रुपए के निवेश से कंपनी पर भरोसा जतलाया है। उन्होंने यह भी कहा कि रांची के निवेशकों के बीच म्युचुअल फंड के प्रति जागरूकता फैलाने में पीएमपीके वेल्थ ने रांची के निवेशकों के बीच अतुलनीय योगदान देते हुए म्युचुअल फंड के प्रति जागरूकता फैलाई है ।देवेश जैन ने कहा कि लोगों को लगता है कि रियल स्टेट में ही उनका धन 20 गुणा 30 गुणा होता है। उन्हें यह बताने की जरूरत है कि म्युचुअल फंड की योजनाओं में भी वह अपने धन को कई गुना बढ़ा सकते हैं। इस योजना ने भी निवेशकों के धन को 25 साल में लगभग 34 गुना बनाया है। दस हजार महीने की एसआईपी करने वाले निवेशकों ने इस योजना में 2.83 करोड रुपए का धन का निर्माण कर लिया है। कंपनी के कमलेश कुमार ने बताया कि पीएमपीके वेल्थ ने अब तक हजारों निवेशकों का वेल्थ क्रिएशन करते हुए उन्हें आर्थिक रूप से सफल बनाया है। आज पूरे देश में कंपनी के कार्यों की सराहना होती है।

श्री दुर्गापूजा समिति युवा दस्ता की महत्वपूर्ण बैठक स्थानीय बड़ा तालाब दुर्गा मंदिर में सम्पन हुई

संवाददाता । रांची

रांची: आज दिनांक 11/09/2025 को श्री दुर्गापूजा समिति युवा दस्ता की महत्वपूर्ण बैठक स्थानीय बड़ा तालाब दुर्गा मंदिर में सम्पन हुई । बैठक में श्री दुर्गा पूजा मोहत्सव 2025 के सफल संचालन पर विचार विमर्श किया गया एवं दर्जनों की संख्या में नए सदस्यों ने युवा दस्ता की सदस्यता ग्रहण की ।युवा दस्ता में शामिल हुए नए सदस्यों का माला पहना कर स्वागत किया गया ।
बैठक में मुख्यरूप से युवा दस्ता के संस्थापक श्री राजीव रंजन मिश्रा , समाजसेवी उपेंद्र रजक , राज किशोर एवं कैलाश केसरी उपस्थित थे ।
बैठक की अध्यक्षता मंटू दुबे ने की एवं संचालन पीयूष आनंद ने किया । बैठक में धन्यवाद ज्ञापन करण नायक ने किया ।बैठक को संबोधित करते हुए युवा दस्ता के संस्थापक श्री राजीव रंजन मिश्रा ने युवा दस्ता में शामिल नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि युवा दस्ता के सदस्य पिछले 36 वर्षों से माँ भवानी के दर्शन करने आये सभी भक्तों के लिए तत्पर रही है एवं इस वर्ष नए एवं अनुभवी सदस्यों को इस पूरे मोहत्सव को सफल बनाने की जिम्मेदारी दी जाएगी ।श्री मिश्रा ने कहा कि दर्शनार्थियों के सहयोग एवं सुविधा के लिए हजारो सदस्य दिन रात कड़ी मेहनत करेंगे ।बैठक में टिंकू महतो , ज्योति शंकर साहू , आदित्य मिश्रा , यशस्वी मिश्रा , सोनू राज पासवान , सुशांत सिंह , अभिषेक कुमार , समीर कच्छप ,विकाश कुमार , आदित्य राज , अंकित सोनी , पीयूष कुमार ,सत्यम मिश्रा , करण वर्मा , प्रभात साहू , नीरज यादव , आयुष कुमार , युवराज महतो, का माला पहनाकर स्वागत किया गया एवं सदस्यता ग्रहण कराया गया ।

10 सितंबर को जलेस रांची की आभासी बैठक डॉ किरण जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई.

संवाददाता । रांची

बैठक में 19 से 21 सितंबर तक यूपी के बांदा में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सम्मेलन, 31 अगस्त को सम्पन्न आभासी बहुभाषी कवि सम्मेलन, तीन माह के अंदर जलेस रांची के संभावित कार्यक्रम एवं सदस्यता अभियान पर चर्चा की गई तथा आम सहमति से निर्णय लिया गया कि
1. प्रत्येक माह रचना / कवि गोष्ठी का आयोजन किया जाय2. टी आर एल में बहुभाषी कवि सम्मेलन के आयोजन के लिए वहां के विभागाध्यक्ष से भेंट कर स्वीकृति ली जाय
4. जलेस का सदस्यता अभियान हिंदी,उर्दू के लेखकों सहित जन जातीय एवं क्षेत्रीय भाषा के लेखकों के बीच सघनता से चलाया जाय
5. नए लेखकों/ कवियों को अवसर प्रदान किया जाए.

सचिव ने स्वागत भाषण में जलेस रांची की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि बहु भाषीय कवि सम्मेलन के माध्यम से हम नए लोगों को संगठन में जोड़ने में सफल हुए और उनकी अभिव्यक्तियों को दूर तक ले गए. सुधीर पाल ने अपने संबोधन में कहा कि हमें हाशिए के समाज और क्षेत्रीय एवं जन जातीय भाषा के लेखकों को स्पेस देना होगा . कार्यक्रम में निरंतरता का खास ख्याल रखना होगा.कुमार बृजेंद्र ने बहुभाषी कवि सम्मेलन को जलेस की उपलब्धि के तौर पर रेखांकित किया और यह भी सुझाव दिया कि स्थानीय स्तर पर बहुभाषी कवि सम्मेलन नवंबर माह में कराया जाय.
अपराजिता मिश्रा ने अपने संबोधन में बहुभाषीय कवि सम्मेलन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम निरंतरता से होते रहना चाहिए ताकि रांची में जलेस का विस्तार हो ।आलम आरा ने बहु भाषीय कवि सम्मेलन के आयोजन पर अपनी खुशी का इजहार करते हुए कहा कि नागपुरी भाषा के लिए गर्व की बात है कि उसे जलेस जैसा बड़ा मंच मिला. इन्होंने प्रत्येक माह रचुना गोष्ठी के आयोजन पर बल दिया
बसंत कुमार इस संगठन से जुड़कर संस्कृति पर काम करने का अवसर मिल रहा है. हम इसका विस्तार करेंगे.डॉ किरण ने नए लेखकों विशेषकर शोधार्थियों के जुड़ने पर खुशी का इजहार करते हुए सुझाव दिया कि संगठन आई कार्ड जारी करे. ये एक अच्छी पहल होगी.
सुकेशी कर्मकार ने बहुभाषी कवि सम्मेलन के सफल आयोजन को जलेस रांची की एक अनूठी पहल बताया और लोगों को आश्वस्त किया कि जलेस को क्षेत्रीय एवं जन जातीय भाषा के लेखकों के बीच परिचित कराए जाने का प्रयास किया जायगा.
डॉ रेहाना मो अली ने इस तरह के कार्यक्रम को जारी रखे जाने की बात कही.
डॉ अशरफ अली ने इसे एक खूबसूरत पहल बताया .
यास्मीन लाल ने बहु भाषी कवि सम्मेलन के सफल आयोजन पर बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम महीने दो महीने में होते रहने की बात कही. इनके अलावा फिरदौस जहां, ललिता देवगम, प्रेमा मनी,शम्मा परवीन, मो अमान,रीता सोरेंग,एम मिदार्हा,समीउल्लाह खान असदकी,रवि कुमार ने भी अपनी विचार रखे.

सूर्या हांसदा मामले की उइकजांच और रिम्स-2 जमीन वापसी की मांग पर भाजपा का राज्यव्यापी आक्रोश प्रदर्शन

संवाददाता । रांची

रांची : आदिवासी नेता सूर्या हांसदा की मुठभेड़ में हुई संदिग्ध मौत और रिम्स-2 निर्माण के नाम पर आदिवासी जमीन अधिग्रहण के विरोध में झारखंड भाजपा ने शनिवार को राज्यव्यापी आक्रोश प्रदर्शन आयोजित किया। प्रखंड मुख्यालय से लेकर जिला केंद्रों तक भाजपा कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे। राजधानी रांची में आयोजित प्रदर्शन का नेतृत्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने किया।

प्रदर्शन में शामिल भाजपा कार्यकताओं ने सूर्या हांसदा की मौत की उइक जांच कराने और आदिवासियों की ह्यरायती जमीनह्न को वापस कराने की मांग दोहराई। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार आदिवासियों के अधिकारों का हनन कर रही है। उन्होंने कहा,ह्लहेमंत सरकार द्वारा आदिवासी नेता सूर्या हांसदा की हत्या और रिम्स-2 निर्माण के नाम पर आदिवासियों की जमीन लूटने के खिलाफ आज रांची में हजारों कार्यकताओं के साथ आक्रोश-प्रदर्शन में शामिल हुआ। भाजपा आदिवासियों के हक और सम्मान की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक मजबूती से लड़ेगी ।प्रदेश नेतृत्व ने कहा कि आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए पार्टी निरंतर संघर्ष करेगी। साथ ही, सरकार की दमनकारी नीतियों का डटकर मुकाबला किया जाएगा ।प्रदर्शन में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं, आदिवासी नेताओं और आम जनता ने भाग लिया। प्रदर्शन स्थल पर नारेबाजी और धरना देकर सरकार के खिलाफ विरोध जताया गया। बाबूलाल मरांडी ने आश्वासन दिया कि भाजपा आदिवासियों के मुद्दों को संसद से लेकर सड़क तक उठाती रहेगी और न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा।

गुड़ाबांदा के सुदूरवर्ती गांव कारलाबेड़ा पहुंचे उपायुक्त, ग्रामीणों को आजीविका योजनाओं से जोड़ने पर दिया विशेष बल

जमशेदपुर, संवाददाता

जिला प्रशासन द्वारा सुदूरवर्ती क्षेत्रों के विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी गुड़ाबांदा प्रखंड के फॉरेस्ट ब्लॉक पंचायत अंतर्गत पहाड़ पर बसे कारलाबेड़ा गांव पहुंचे। वहीं लगभग 22 से 24 परिवारों वाला यह गांव लंबे समय से सड़क से वंचित है। इस दौरान ग्रामीणों ने उपायुक्त के समक्ष सड़क निर्माण की मांग रखी और जिसपर उपायुक्त ने आश्वस्त किया कि गांव को न केवल सड़क सुविधा से जोड़ा जाएगा। बल्कि अन्य आवश्यक बुनियादी ढांचे भी चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही उपायुक्त ने मौके पर ही पदाधिकारियों को गांव में जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जल मीनार निर्माण तथा सिंचाई व्यवस्था सुदृढ़ बनाने के लिए चेक

डैम निर्माण आदि को लेकर निर्देश भी दिया। इन योजनाओं के क्रियान्वयन से न केवल पेयजल की समस्या का समाधान होगा। बल्कि खेती योग्य भूमि में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होने से कृषि उत्पादन में वृद्धि भी होगी। इस गांव में ग्रामीण अभी पारंपरिक खेती करते हैं।

उपायुक्त ने उन्हें नगदी फसल जैसे सब्जी उत्पादन, फल बागवानी, औषधीय पौधे आदि की ओर प्रोत्साहित भी किया। जिसपर उन्होंने कहा कि नगदी फसल से ग्रामीणों को बेहतर आमदनी होगी और जिससे आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। इसके साथ ही पशुपालन, बकरी पालन, कुक्कुट पालन जैसी योजनाओं से जुड़ने पर उन्हें नियमित आय का अतिरिक्त स्रोत भी प्राप्त होगा। सड़क निर्माण से गांव तक एम्बुलेंस, शैक्षणिक सुविधाएं, बाजार से जुड़ाव और आपातकालीन सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित होगी। जल मीनार से सालभर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा। जिससे जलजनित बीमारियों में कमी आएगी।

चेक डैम बनने से वर्षा जल का संचयन होगा। भूमिगत जलस्तर बढ़ेगा और सिंचाई सुविधाएं बेहतर होंगी। नगदी फसल व पशुपालन से ग्रामीणों को रोजगार के नये अवसर मिलेंगे और पलायन की समस्या कम होगी। शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान होने से जीवन स्तर में समग्र सुधार होगा। वहीं उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन की प्राथमिकता है कि जिले के सुदूरवर्ती एवं दुर्गम गांवों तक विकास की सभी मूलभूत सुविधाएं पहुंचे। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि कारलाबेड़ा समेत ऐसे गांवों की समस्याओं का सर्वे कर योजनाओं को प्राथमिकता से लागू करें। ताकि ग्रामीणों का जीवन स्तर बेहतर हो सके।

पति ने पत्नी की हत्या कर शव फेंका नदी किनारे

पाकुड़, संवाददाता

पाकुड़ जिले के पाकुड़िया थाना क्षेत्र के तालडीह गणपुरा गांव में नदी किनारे मिली अज्ञात महिला की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। एसपी निधि द्विवेदी में आज अपने कार्यालय में पत्रकारों को इस मामले की जानकारी दी। 6 सितंबर को स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने तालडीह गणपुरा गांव के पास नदी किनारे एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया था। शव के सर और शरीर पर चोट के निशान थे, जिससे प्रथम दृष्टया यह अनुमान लगाया गया कि महिला की हत्या कर शव को छुपाने की नीयत से यहां फेंका गया था। पाकुड़िया थाना प्रभारी के आवेदन पर मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस की एसआईटी टीम ने जांच के दौरान मृतका की पहचान मुन्नी हेंब्रम के रूप में की।

शव की पहचान मृतका के पति ने की और उसने अंतिम संस्कार भी किया। जांच में यह भी पता चला की मृतिका के साथ आखरी बार रतन मढैया जो तालडीह गणपुरा गांव का निवासी है, देखा गया था। इस आधार पर पुलिस ने रतन बढ़िया को 11 सितंबर को लखीजोल के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी रतन मढैया मैं कबूल किया कि उसकी मृतिका से प्रेम संबंध था और दोनों ने शादी कर ली थी। आरोपी ने बताया कि दिल्ली में साथ रहने के दौरान उसे अपनी पत्नी पर अवैध संबंध का शक हुआ था। इस कारण दोनों के बीच विवाद उत्पन्न हुआ और वापसी के बाद एक झगड़े में आरोपी ने लोहे के कड़े से पत्नी के सिर पर वार किया, जिससे उसकी हत्या हो गई। उसके बाद आरोपी ने गला दबाकर और मारपीट कर उसकी हत्या सुनिश्चित की और शव को नदी किनारे फेंक दिया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस में लोहे का कड़ा, मृतिका का चप्पल और टूटा हुआ लाल रंग का बाला बरामद किया है। पुलिस अब वैज्ञानिक साक्षयो का संकलन कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

किसान वैज्ञानिक अंतर्मिलन कार्यक्रम का आयोजन

पाकुड़ : संयुक्त जिला कृषि भवन के आत्मा सभागार में किसान वैज्ञानिक अंतर्मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कृषि पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक, आत्मा, पाकुड़ मृत्युंजय कुमार के द्वारा की गई। कार्यक्रम के दौरान जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा कृषि एवं आत्मा कार्यालय द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की गई।किसानों को खरीफ के प्रमुख फसलों धान, मक्का,मडुआ , मूंगफली के प्रमुख खरपतवार, कीटों एवं रोगों तथा उनके उपचार के बारे में विस्तार से बताया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान सह वरीय वैज्ञानिक के द्वारा किसानों को पशुपालन के तकनीक तथा पशुओं के प्रमुख बीमारियों तथा उनके उपचार की जानकारी दी गई। वरीय वैज्ञानिक विनोद कुमार द्वारा जिला के मिट्टी तथा उसके सुधार के उपायों पर चर्चा की गई। कृषि अभियांत्रिकी वैज्ञानिक सुरेन्द्र सिंह मुण्डा द्वारा कृषि यंत्रों के उपयोग के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने के तकनीक किसानों को बताई गई। कार्यक्रम में जिला के सभी प्रखंडों के सहायक तकनीकी प्रबंधक, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक मु.शमीम अंसारी, प्रभारी उप परियोजना निदेशक सपन सोनल तिर्की एवं किसानों ने भाग लिया।

पलाश जेएसएलपीएस रामगढ़ द्वारा तीन दिवसीय पशु सखी आवासीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न

रामगढ़, संवाददाता

पलाश जेएसएलपीएस रामगढ़ के तत्वावधान में सभी प्रखंडों की पशु सखियों के लिए तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 9 सितंबर से 11 सितंबर 2025 तक गोला सीएमटीसी परिसर में किया गया। इस प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न प्रखंडों से कुल 48 पशु सखी दीदियों एवं IFSC (integrated farming cluster) एंकरों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत पशु सखियों को पशुपालन संबंधी तकनीकी जानकारी, पशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, पोषण प्रबंधन एवं आजीविका संवर्धन की उन्नत विधियों से अवगत कराना था। विशेष रूप से छोटे पशुओं जैसे बकरी एवं मुर्गी की देखभाल, बीमारियों से बचाव तथा मृत्यु दर को कम करने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न विषयों पर

सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक दोनों प्रकार के सत्र आयोजित किए गए। व्यवहारिक प्रशिक्षण में पशु सखियों को पशुओं की जांच-पड़ताल, आहार प्रबंधन तथा टीकाकरण की विधियां practically सिखाई गईं। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि, इस प्रकार के प्रशिक्षण से पशु सखियां गाँव-गाँव में जाकर समूह सदस्यों को समय-समय पर पशु-चिकित्सा एवं परामर्श सेवाएं उपलब्ध करा सकेंगी, जिससे ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। प्रशिक्षण के समापन सत्र में सभी प्रतिभागियों से अपने-अपने गाँव में आगामी तीन माह के लिए कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया। पशु सखियों ने संकल्प लिया कि वे गाँवों में पशु स्वास्थ्य जागरूकता, टीकाकरण एवं पशुपालन प्रबंधन संबंधी गतिविधियों को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाएँगी। इस प्रकार तीन दिवसीय यह आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ तथा रामगढ़ जिले में पशुपालन और ग्रामीण महिलाओं की आजीविका संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

प्रेशर में काम करना मेरे शब्दकोश में नहीं, अवैध कार्यों को रोकना गठित माइनिंग टास्क फोर्स की जिम्मेवारी

रामगढ़, संवाददाता

प्रशासनिक स्तर पर कानून का पालन हर हाल में जिला में हो और कानून के रक्षक हर हाल में जिला में कानून व्यवस्था को कायम रखें, इसको लेकर प्राप्त शिकायतों के आधार पर डीसी फैज अक अहमद मुमताज ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों से जो मेरे सरकारी तंत्र के माध्यम से, जिसे आप कुटिया तंत्र भी कह सकते हैं एवं विभिन्न क्षेत्रों से मुझे जो शिकायतें प्राप्त हो रही है उसके आधार पर मैंने जिला खनन टास्क फोर्स से जुड़े गठित टीम को यह कड़ा आदेश स्पष्ट रूप से दे रखा है कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे अवैध खनन एवं अवैध कार्यों को रोकना उनकी जिम्मेवारी है। जिले के सभी महाप्रबंधक क्षेत्र में जितने भी अवैध खनन स्थल हैं, उनकी सूची महा प्रबंधक सीसीएल

के द्वारा जिला कार्यालय को उपलब्ध होना चाहिए साथ ही साथ गठित टीम विभिन्न अवैध खनन स्थलों की निगरानी रखें, अवैध खनन कार्य न हो साथ ही साथ अवैध कोयले का भी व्यापार किसी कीमत पर नहीं होना चाहिए और ना ही जिला के किसी भी फैक्ट्री में अवैध कोयला गिरना चाहिए। गठित टीम के द्वारा अवैध कोयले के व्यापार में अगर फैक्ट्री की मिली भगत है और जांच में सच्चाई पाई गई तो फैक्ट्री का रजिस्ट्रेशन रद्द हो सकता है। उन्होंने गठित टीम को आदेश देते हुए कहा कि अपने काम को ईमानदारी पूर्वक निभाएं,किसी से डरने की जरूरत नहीं है और प्रेशर में मैं काम नहीं करता और प्रेशर मेरे शब्दकोश में नहीं है। उन्होंने अवैध कार्य में लिप्त लोगों को चेतावनी देते हुए कहा कि कानून को चुनौती देने की कोशिश ना करें अन्यथा उनका अंतिम विकल्प जेल ही होगा। रामगढ़ जिला अंतर्गत कुछ एक क्षेत्र से अवैध कोयला खनन एवं तस्करी संबंधित प्राप्त सूचनाओं पर उपायुक्त, रामगढ़ श्री फैज अक अहमद मुमताज ने संज्ञान लिया है। इस संबंध में उपायुक्त ने जिला खनन पदाधिकारी, अंचल अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को मुस्तैद रहकर अवैध कोयला खनन एवं तस्करी को रोकने का सख्त निर्देश दिया है। साथ ही उपायुक्त ने पुलिस अधीक्षक रामगढ़ एवं वन प्रमंडल पदाधिकारी को भी इस पर विशेष निगरानी रखते हुए कार्य करने का निर्देश दिया है। उपायुक्त द्वारा दिए गए निर्देश में कहा गया है कि अधिकारी गंभीरता पूर्वक अपने-अपने क्षेत्र में स्थल निरीक्षण कर अवैध कोयला खनन एवं तस्करी की जानकारी प्राप्त करें एवं कोई भी मामला प्रकाश में आने पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें। अपने दिए गए इंटरव्यू में भी डीसी ने बोल्ड और बेबाक होकर कहा था कि किसी भी कीमत पर नहीं चलने देंगे अवैध कार्य और ना अवैध खनन।

कसमार में जागृति महिला संकुल की आम सभा आयोजित, मंत्री योगेंद्र महतो रहे मुख्य अतिथि

बोकारो, संवाददाता

कसमार प्रखंड अंतर्गत जागृति महिला संकुल स्वालंबी सहकारी समिति, कसमार द्वारा गुरुवार को खैराचातर संकुल परिसर में आम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ की गई। सभा में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो उपस्थित रहे। विशेष अतिथियों में पूर्व विधायक डॉक्टर लंबोदर महतो की धर्मपत्नी कौशल्या देवी, जिला परिषद उपाध्यक्ष बबिता कुमारी, कसमार प्रमुख नियोति कुमारी, कसमार इञ्ड, उड, इढट खरछढर मनोज यादव, खैराचातर मुखिया विजय जायसवाल, विमल जायसवाल, सुरेंद्र महतो,

कुलदीप करमाली, ज्ञानेश जायसवाल, गौतम और मिथलेश समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

सभा के दौरान संकुल की ओर से साल भर का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसमें संगठन की गतिविधियों, उपलब्धियों और आगामी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। इस मौके पर मंत्री योगेंद्र महतो ने कहा कि ह्लआज की महिला किसी से कम नहीं है। वह पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर समाज को नई दिशा देने में योगदान कर रही है। हमारी सरकार महिलाओं के लिए अनेक योजनाओं पर कार्य कर रही है, जिसका लाभ सभी तक पहुंच रहा है।ह्व कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं और सक्रिय रूप से भाग लिया।

रामगढ़ की जनता के हर सुख दुख में साथ खड़ी है आजसू पार्टी: नीरज मंडल

रामगढ़, संवाददाता

बीते दिन भारी बारिश के कारण से वार्ड नं 5, विद्यानगर के मुख्य प्रवेश सड़क के किनारे गार्ड वाल के नीचे से मट्टी निकल जाने की वजह से लगभग 7 फीट का गड्ढा हो जाने के कारण लोगों को आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है ' जिसकी सूचना विद्यानगर के वासियों ने आजसू पार्टी रामगढ़ नगर सचिव नीरज मंडल को समस्या से अवगत करवाया ' सूचना मिलते ही नीरज मंडल मौके विद्या नगर घटना स्थल पर पहुंच कर समस्या का जायजा लिया ओर तुरंत इसकी जानकारी विद्या नगर वासियों के साथ एक प्रतिनिधि मंडल छावनी अधिशासी अधिकारी छावनी परिषद रामगढ़ उएड अनंत आकाश से मिलकर एक मांग पत्र सौंपा ओर मौखिक सूचना ओर वीडियो दिखाई गई ' मौके पर छावनी अधिशासी अधिकारी अनंत आकाश ने गंभीरता पूर्व समस्या को सुनते हुए अपने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करें ताकि किसी भी कोई तरह की बड़ी कोई घटना ना हो सके ' मौके नीरज मंडल ने ceo को बताया कि यह मुख्य सड़क विद्या नगर होते हुए छोटकी मुर्राम से होते हुए बाजार टांड़ मैंन रोड को निकलती है ' ' ओर बच्चों की स्कूल वाहन का भी आना जाना लगा रहता है ' गार्ड वाल के नीचे पानी की तेज बहाव से आगे भी मिट्टी को काटती जा रही है ओर गार्डवाल लटकता जा रहा है, जिससे कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना होने की संभावना है ' इस मांग पत्र को लेकर आजसू पार्टी रामगढ़ नगर सचिव नीरज मंडल के साथ , रामकुमार साहू, आदि थे।

सीसीएल ढोरी, बीएडके और कथारा एरिया में कोयले का मूल्य तय करती है सेल कमेटी

बेरमो, संवाददाता

सीसीएल में कोयले की दर अप्रत्यक्ष रूप से कुछ कोलियरियों में संचालित सेल कमेटी तय करती है। लेकिन तय दर से ज्यादा मूल्य पर कोयला खरीदने वालों को कोलियरियों से कोयला उठाव में बाधा उत्पन्न किया जाता है। इसका ताजा उदाहरण सीसीएल ढोरी एरिया की अमलो परियोजना में देखने को मिल रहा है। यहां सेल कमेटी ने डीओ धारकों को 5900 रुपए प्रतिटन से कोयला उठाव करने की दर तय कर दी है। इससे ज्यादा दर पर अगर कोई डीओ धारक कोयला खरीदता है, तो उसे भी सेल कमेटी की ओर से तय दर पर ही कोयला बेचने को कहा जाता है। अन्यथा कोयला उठाव में अड़ंगा डालते हैं। वर्तमान में कुछ डीओ धारकों ने यहां 6230 रुपए प्रति टन दर से कोयला का डीओ लगाकर कोयला खरीदा है। लेकिन उन्हें कोयला उठाव करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। डीओ होल्डर ने कहा कि 22 सितम्बर से प्रतिटन 30 रूपए रेट बढ़ जायेगा। इस मामले में प्रशासन व प्रबंधन भी फेल हो चुका है। अब डीओ धारकों व सेल कमेटी के बीच गुप्त समझौता चल रहा है। इसमें डीओ धारक अपने कोयला सेल कमेटी को बेचने को तैयार हैं। जबकि सेल कमेटी अभी भी अपनी मांग पर अड़ा है। विदित हो कि लिफ्टर राहुल कुमार को अमलो सेल कार्यालय में लोगों ने मारपीट की। इसको लेकर राहुल कुमार ने बेरमो थाना में आवेदन भी दिया है। दूसरे पक्ष के लोगों ने अपने बचाव के लिए बेरमो थाना में आवेदन दिया है। अब सूत्र बताते हैं कि सेल कमेटी के लोग डीओ धारकों को कोयला खरीद दर से 300 रुपए कम रेट देकर कोयला उठाव करने का आदेश देने को तैयार हैं। ज्यादा रेट पर डीओ लगाने पर कोयले का उठाव करने नहीं देते हैं सेल कमेटी के लोग।कम दर तय करने के कारण कंपनी को होता है भारी नुकसान।

प्रबंधन का वास्ता नहीं : राजीव कुमार

सीसीएल की ओर से कोयले की ओपन सेल खोली जाती है। इसमें डीओ धारक स्वेच्छा से बिडिंग करते हैं। इसमें प्रबंधन का कोई हस्तक्षेप नहीं होता है। अगर कहीं कोई शिकायत मिलती है, तो उसमें प्रबंधन प्रशासन से सहयोग लेता है। सेल कमेटी से प्रबंधन का कोई लेना देना नहीं है। डीओ धारक ज्यादा दर पर कोयला बिडिंग करते हैं, तो उन्हें प्रशासनिक सुरक्षा देकर कोयला उठाव में मदद की जाती है। उक्त बातें परियोजना अधिकारी राजीव कुमार कहा।

पाकुड़ जिले में तीन दिवसीय राजस्व शिविर का समापन

पाकुड़, संवाददाता

पाकुड़ जिले में तीन दिवसीय शिविर में सभी अंचलों से दाखिल खारिज के कुल 92 आवेदन प्राप्त किए गए । रजिस्टर 2 सुधार हेतु कुल 102 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 28 आवेदन का निष्पादन किया गया है, लंबित आवेदन 74 है। भू-मापी सीमांकन हेतु कुल 0 आवेदन प्राप्त हुए है। भू- लगान संग्रह 445 रुपया 25 पैसा किया गया। जाति, आय एवं निवास से संबंधित कुल 799 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 597 आवेदन का निष्पादन किया गया है, लंबित आवेदन 202 है। विविध मामले में कुल 47 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 26 आवेदन का निष्पादन किया गया, लंबित आवेदन 21 है। सभी लंबित आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि राजस्व से संबंधित मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए हर माह दो बार तीन

दिवसीय राजस्व शिविर का आयोजन किया जा रहा है। तीन दिवसीय शिविर का उद्देश्य आमजनों को उनके निकटतम अंचल में ही राजस्व से संबंधित सेवाएं प्रदान करना। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर आयोजित इन शिविरों से ग्रामीणों को बड़ी सुविधा मिल रही है। अब उन्हें बार-बार अंचल कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, क्योंकि आवेदन स्थल पर ही स्वीकार किए जा रहे हैं और नियमानुसार निष्पादन किया जा रहा है। ग्रामीण वर्षों से लंबित भूमि विवाद और नामांतरण जैसे मामलों को लेकर परेशान थे लेकिन अब उन्हें पंचायत स्तर पर ही सुविधा मिल रही है।

एसएसपी ने जिले में पदस्थापित थानेदारों का किया तबादला, आलोक दुबे बने बिस्टुपुर के नये थानेदार

जमशेदपुर, संवाददाता

एसएसपी पीयूष पांडे के आदेश पर गुरुवार की सुबह जिले के कई थानेदारों का तबादला इधर से उधर कर दिया गया है। जिसके तहत पुलिस निरीक्षक आलोक दुबे को बिस्टुपुर का नया थानेदार बनाया गया है। वहीं साइबर अपराध थाने के पुलिस निरीक्षक प्रवेश चंद्र सिन्हा को कदमा थाने की कमान सौंपी गई है। जिसके बाद दोनों ने अपना-अपना प्रभार भी ग्रहण कर लिया है। इसी तरह बिस्टुपुर थाना प्रभारी उमेश ठाकुर को मुसाबनी का अंचल निरीक्षक नियुक्त किया गया है। जबकि सोनारी थाना प्रभारी कुमार सरयू आनंद को बिस्टुपुर साइबर अपराध थाने में तबादला कर दिया गया है। साथ ही गोलमुरी थाना प्रभारी राजन कुमार का तबादला साइबर थाने में कर दिया गया है। मानगो

यातायात थाना प्रभारी बंधन भगत का भी साइबर अपराध थाने में तबादला कर दिया गया है। वहीं जुगसलाई यातायात थाना प्रभारी मधुसूदन डे को सोनारी का थानेदार बनाया गया है। बिस्टुपुर साइबर अपराध थाने से पुलिस निरीक्षक संजय सुमन को गोलमुरी का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। साइबर थाने से पुलिस निरीक्षक हरिऔंध करमाली को मानगो यातायात थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। अंचल निरीक्षक मुसाबनी संजय जनक मूर्ति को जुगसलाई का यातायात थाना प्रभारी बनाया गया है। डुमरिया थाना प्रभारी एसआई सुगना मुंडा को एमजीएम थाना भेजा गया है। गुड़ाबांदा थाना प्रभारी राजीव कुमार-2 को गोलमुरी पुलिस केंद्र भेजा गया है। धालभूमगढ़ थाना प्रभारी एसआई मो. अमीर हमजा को कदमा थाना भेजा गया है। गालूडीह थाना प्रभारी एसआई कुमार इंद्रेश को बिस्टुपुर थाना भेजा गया है। बरसोल थाना प्रभारी एसआई चंदन कुमार को मानगो थाना भेजा गया है। साकची महिला थाना प्रभारी मंजूश्री कुंकल को घाटशिला महिला थाने भेज दिया गया है। जुगसलाई थाने में पदस्थापित एसआई रुपा पाल को साकची महिला थाने की कमान सौंपी गई है। गोलमुरी पुलिस केंद्र से एसआई पवन कुमार-1 को धालभूमगढ़ थाना प्रभारी बनाया गया है। कदमा थाने में पदस्थापित एसआई अंकु कुमार को गालूडीह का नया थानेदार बनाया गया है। वहीं थानेदार के रुप में यह उनकी पहली पोस्टिंग है। मानगो थाने में पदस्थापित एसआई अभिषेक कुमार को बरसोल थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। बिस्टुपुर थाने में पदस्थापित एसआई कुमार सुमित यादव को गुड़ाबांदा थाना प्रभारी बनाया गया है। इसी तरह एमजीएम थाने के एसआई पंचम तिग्गा को डुमरिया थाना प्रभारी बनाया गया है।

राज्यपाल ने किया वरिष्ठ पत्रकार दीपक सवाल की दो पुस्तकों का लोकार्पण

बोकारो, संवाददाता

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को राजभवन में बोकारो के वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक दीपक सवाल की दो नई पुस्तकों बोकारो दर्शन और डॉ. ए.के. झा का धरा गगन सिद्धांत का लोकार्पण किया। इस अवसर पर लेखक की पत्नी मिठू कुमारी, गोमिया के पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो, समाजसेवी सह अधिवक्ता सुजीत कुमार और वरीय पत्रकार मनोज कुमार कपरदार मुख्य रूप से मौजूद थे। राज्यपाल ने दोनों पुस्तकों की सराहना करते हुए लेखक को शुभकामनाएँ दीं। लेखक ने धरा गगन सिद्धांत को विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल करने का आग्रह किया। मौके पर लेखक ने राज्यपाल को अपनी पूर्व प्रकाशित कृतियाँ भी भेंट कीं। डॉ. लंबोदर महतो ने कहा कि दीपक सवाल की अब तक प्रकाशित दर्जनाधिक पुस्तकों ने पाठकों को जागरूक किया है और ये दोनों कृतियाँ भी समाज और संस्कृति का जीवंत दस्तावेज साबित होंगी।

बोकारो दर्शन पुस्तक जिले के 93 स्थलों को समेटे हुए है, जिनमें धार्मिक, सामाजिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक महत्व के स्थान शामिल हैं। लेखक का मानना है कि यदि इन स्थलों का संरक्षण हो तो बोकारो पर्यटन का नया केंद्र बन सकता है। वहीं, डॉ. ए.के. झा का धरा गगन सिद्धांत मौसम विज्ञान की एक धरोहर है, जिसमें पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का समन्वय प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक में घाघ और खना की उक्तियों के माध्यम से मौसम विज्ञान को सरल भाषा में समझाया गया है। लेखक ने केंद्र और राज्य सरकार से आग्रह किया कि इस पुस्तक का व्यापक प्रचार-प्रसार हो, ताकि यह जनहित में अधिक से अधिक लाभकारी साबित हो सके।

विपक्ष की नकारात्मक राजनीति और राष्ट्र-विरोधी विमर्श पर राष्ट्रवाद की जीत ने कई संदेश दिये

नीरज कुमार दुबे

विपक्ष ने दावा किया था कि उसके सभी 315 सांसद मतदान में उपस्थित रहे और पूरा खेमे ने एकजुटता दिखायी। लेकिन नतीजे में विपक्ष 15 वोट पीछे रह गया और उतने ही वोट अमान्य घोषित हुए। इसका सीधा अर्थ यह है कि विपक्षी खेमे में या तो क्रॉस वोटिंग हुई या जानबूझकर अमान्य मत डाले गये।

उपराष्ट्रपति चुनाव के परिणाम ने भारतीय राजनीति में कई नये संकेत दिए हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन ने विपक्षी खेमे के साझा प्रत्याशी और पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को मात देकर देश के 15वें उपराष्ट्रपति पद पर विजय हासिल की। यह विजय कई मायनों में खास है क्योंकि 452 बनाम 300 वोट का अंतर केवल एक चुनावी आँकड़ा नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की नयी दिशा की ओर इशारा करता है।

विपक्षी एकता तार-तार

विपक्ष ने दावा किया था कि उसके सभी 315 सांसद मतदान में उपस्थित रहे और पूरा खेमे ने एकजुटता दिखायी। लेकिन नतीजे में विपक्ष 15 वोट पीछे रह गया और उतने ही वोट अमान्य घोषित हुए। इसका सीधा अर्थ यह है कि विपक्षी खेमे में या तो क्रॉस वोटिंग हुई या जानबूझकर अमान्य मत डाले गये। यही घटना विपक्षी गठबंधन की एकता पर गहरे सवाल खड़े करती है। दरअसल, इस परिणाम ने विपक्षी दलों की आंतरिक असहमति और पारस्परिक अविश्वास को उजागर कर दिया है।

राष्ट्रवादियों की जीत के मायने

उधर, राधाकृष्णन ने अपनी जीत को 'राष्ट्रवादियों की जीत' बताया है। इसका सकारात्मक अर्थ यह है कि एनडीए की राजनीति केवल चुनावी अंकगणित तक सीमित नहीं है, बल्कि वह राष्ट्रवादी विचारधारा को जनता और सांसदों के बीच एक व्यापक स्वीकृति दिलाने में सफल रहा है। देखा जाये तो हाल के वर्षों में विपक्ष ने अपनी राजनीति का केन्द्र सत्ता विरोध तक सीमित कर दिया है। स्वस्थ लोकतांत्रिक विमर्श की जगह आरोप-प्रत्यारोप, नकारात्मक प्रचार और देश की संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा करने की परंपरा बनती जा रही है। संसद से लेकर न्यायपालिका और चुनाव आयोग तक, विपक्ष की ओर से लगातार यह प्रयास देखा गया है कि जनता के मन में इन संस्थानों के प्रति अविश्वास पैदा किया जाए। यही कारण है कि उपराष्ट्रपति चुनाव केवल एक पद के लिए मतदान नहीं था, बल्कि यह उस नकारात्मक राजनीति और राष्ट्र-विरोधी विमर्श के खिलाफ एक जनादेश की तरह सामने आया।

सी.पी. राधाकृष्णन की ऐतिहासिक जीत ने स्पष्ट कर दिया है कि देश की राजनीति में राष्ट्रवाद की विचारधारा ही जनता के विश्वास की धुरी है। विपक्ष भले ही इसे 'संख्या का खेल' बताने का प्रयास करे, लेकिन तथ्य यह है कि क्रॉस वोटिंग और विपक्षी खेमे में बिखराव ने उनकी एकता की पोल खोल दी। यह संदेश दूर तक गया है कि जब बात राष्ट्रहित और स्थिरता की आती है तो विपक्षी दलों के भीतर भी कई लोग एनडीए के साथ खड़े होना पसंद करते हैं।

यह जीत विपक्ष द्वारा रची जा रही उस नकारात्मक छवि को भी ध्वस्त करती है जिसमें संवैधानिक पदों को मात्र राजनीतिक उपकरण के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा था। राधाकृष्णन ने इसे राष्ट्रवाद की जीत कहा है और इसमें गहरा संदेश छिपा है। दरअसल, यह जीत उन लोगों के लिए आश्वस्ति है जो मानते हैं कि लोकतंत्र में विरोध जरूरी है लेकिन विरोध की आड़ में देश की संस्थाओं को कमजोर करना आत्मघाती है। देखा जाये तो उपराष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रवादियों की जीत विपक्ष की नकारात्मक राजनीति पर करारा जवाब है।

तमिलनाडु की राजनीति पर क्या असर होगा?

इसके अलावा, उपराष्ट्रपति पद पर सीपी राधाकृष्णन की जीत का गहरा असर तमिलनाडु की राजनीति पर भी पड़ने वाला है। तमिलनाडु लंबे समय से द्रविड़ राजनीति का गढ़ रहा है, जहां भाजपा अब तक सीमित प्रभाव ही बना पाई है। लेकिन राधाकृष्णन जैसे वरिष्ठ और लोकप्रिय नेता का इस संवैधानिक पद तक पहुँचना भाजपा और एनडीए के लिए एक मनोबलवर्धक उपलब्धि है। सबसे पहले, यह जीत भाजपा को तमिलनाडु में राजनीतिक स्वीकार्यता दिलाती है। अब भाजपा केवल 'बाहरी ताकत' नहीं, बल्कि तमिलनाडु से जुड़ा चेहरा रखने वाली राष्ट्रीय पार्टी के रूप में उभरेगी। राधाकृष्णन की साफ-सुथरी छवि और जमीनी पकड़ भाजपा को उन मतदाताओं के बीच पहुँचाने में मदद करेगी जो अब तक द्रविड़ पार्टियों के बीच उलझे रहे। जब तमिलनाडु के मतदाता देखेंगे कि उनके ही राज्य से आया एक नेता राष्ट्रीय राजनीति में इतना बड़ा पद हासिल कर रहा है, तो उन्हें भाजपा की प्रासंगिकता का अहसास होगा। यह विजय यह भी संदेश देती है कि भाजपा केवल उत्तर भारत की पार्टी नहीं है। दक्षिण भारत में भी भाजपा का राजनीतिक विस्तार संभव है। राधाकृष्णन की जीत से एनडीए को स्थानीय सहयोगी दलों के साथ तालमेल मजबूत करने में मदद मिलेगी और आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा का वोट शेयर बढ़ाने का आधार बनेगा।

देखा जाये तो तमिलनाडु में भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती डीएमके और एआईएडीएमके जैसी स्थापित द्रविड़ पार्टियां रही हैं। लेकिन उपराष्ट्रपति चुनाव ने दिखा दिया कि भाजपा अब 'किनारे की खिलाड़ी' नहीं रही, बल्कि उसकी जड़ें मजबूत हो रही हैं। यह जीत भाजपा-एनडीए कार्यकताओं को जोश से भर देगी और जनता के बीच यह संदेश जाएगा कि अगर राष्ट्रीय स्तर पर तमिलनाडु का नेता इतना बड़ा पद हासिल कर सकता है तो राज्य की राजनीति में भी भाजपा का भविष्य सुरक्षित है। राधाकृष्णन की जीत भाजपा और एनडीए के लिए तमिलनाडु विधानसभा चुनावों का मनोवैज्ञानिक और राजनीतिक पूंजी बनकर सामने आएगी, जो दक्षिण में पार्टी के विस्तार की दिशा में निर्णायक कदम साबित हो सकती है।

क्षेत्रीय दलों ने क्या संदेश दिया?

इसके अलावा, इस चुनाव में क्षेत्रीय दलों का रुख भी महत्वपूर्ण रहा। आंध्र प्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने एनडीए उम्मीदवार का समर्थन किया, ओडिशा की बीजेडी और तेलंगाना की बीआरएस ने मतदान से अनुपस्थित रहकर अप्रत्यक्ष रूप से एनडीए की मदद की। यह स्थिति साफ दिखाती है कि राष्ट्रीय राजनीति में एनडीए की पकड़ मजबूत हो रही है और कई क्षेत्रीय दल अवसरवादी राजनीति की बजाय केंद्र की स्थिरता और शक्ति संतुलन के साथ खड़े होने का संकेत दे रहे हैं। यह संदेश विपक्षी खेमे के लिए और भी चुनौतीपूर्ण है।

बिहार चुनाव पर क्या असर होगा?

यही नहीं, उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए की इस बड़ी जीत के राजनीतिक निहितार्थ बिहार तक भी पहुँचते हैं, जहाँ निकट भविष्य में विधानसभा चुनाव होने हैं। एनडीए की यह जीत विपक्षी गठबंधन की कमजोरियों को उजागर करती है और बिहार में भाजपा-जदयू की साख को और मजबूत करती है। यह परिणाम बताता है कि केंद्र से लेकर राज्य तक एनडीए अपनी पकड़ बनाये हुए है और विपक्षी दलों का 'एकजुट मोर्चा' केवल घोषणाओं तक ही सीमित है।

बहरहाल, सी.पी. राधाकृष्णन की जीत केवल एक व्यक्ति की सफलता नहीं है, बल्कि यह भारतीय राजनीति में एनडीए की बढ़ती धमक, विपक्षी खेमे में बिखराव और राष्ट्रवादी विचारधारा की स्वीकृति का प्रतीक है। दक्षिण में भाजपा के लिए नए अवसर खुल रहे हैं, क्षेत्रीय दल एनडीए के प्रति झुकाव दिखा रहे हैं और विपक्षी एकता का दावा खोखला साबित हुआ है। यह सब मिलकर राष्ट्रीय राजनीति में एनडीए को एक और मजबूत स्थिति में खड़ा कर देता है।

संपादकीय

जेन-जी की बगावत

नेपाल की राजधानी काठमांडू में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और राजनीतिक भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले कुछ लोगों की मौत होने के बाद स्थिति काबू से बाहर हो गई है। पुलिस के साथ हुई झड़पों में खुद को जेन-जी यानी युवा पीढ़ी बता रहे 22 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई है। काठमांडू के अलावा पूर्वी शहर इटहरी में दो लोग मारे गए। जगह-जगह कर्फ्यू लगा है, सेना सड़कों पर है। भारी झड़प व मौतों के बावजूद प्रदर्शनकारी पीछे हटने को राजी नहीं है। गृहमंत्री रमेश लेखक के बाद अब प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने भी घटना के बाद इस्तीफा दे दिया है। सरकार की तरफ से मिले संकेतों के अनुसार जल्द ही सोशल मीडिया से बैन हटाया जा सकता है। सरकार के रवैये और भ्रष्टाचार के कथित आरोपों को लेकर युवाओं में जबरदस्त आक्रोश है। उग्र होते प्रदर्शन को देखते हुए संसद भवन, राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास, शीतल निवास पर कर्फ्यू लगा है। अभी कुछ ही महीनों पहले नेपाल में राजशाही बहाल करने को लेकर आंदोलन हो चुका है। तब भी नाराज युवाओं द्वारा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे। सरकार ने पिछले सप्ताह ही फेसबुक, इंस्टाग्राम, वाट्सएप जैसे छब्बीस सोशल मीडिया व मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगा दिया। सरकार का आरोप है, ये सोशल मीडिया कंपनियां कानूनों का पालन करने में कोताही कर रही हैं। चीन की सोशल मडिया कंपनी टिकटॉक द्वारा सभी नियमों का पालन किया है इसलिए उस पर प्रतिबंध नहीं लगा है। टिकटॉक पर चल रहे नेपोबेबी ट्रेंड हो रहा है, जिसमें नेताओं के बच्चों के ऐशो-आराम भरे जीवन की तस्वीरें व वीडियो वायरल किए जा रहे हैं। यह सच है कि बिला-वजह सोशल मीडिया को प्रतिबंधित करने से युवाओं में आक्रोश बढ़ना स्वाभाविक है। नेपाल में भ्रष्टचार, रितखोरी व भाई-भतीजावाद को लेकर जनता में नाराजगी बढ़ती जा रही है। भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई न होने को पर भी नेपालियों में भारी निराशा है। वे देश की बदहाली के लिए राजनेताओं को दोषी मानते हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि मीडिया वास्तविकता छिपाने में सरकार का पक्षकार बन गया है। वे इसे स्वतंत्रता पर हमला मान रहे हैं। जनता की ताकत को नजरंदाज करने वालों को यह समझना होगा कि नई पीढी निरंकुशता मौन होकर नहीं बर्दाश्त कर सकती। उसे अपने अधिकारों और ताकत का अंदाजा है। नेताओं को राजशाही वाले अंदाज त्यागने होंगे।

चिंतन-मनन

सन्मार्ग की प्रवृत्ति

उत्तम कार्य की कार्य प्रणाली भी प्रायः उत्तम होती है। दूसरों की सेवा या सहायता करनी है, तो प्रायः मधुर भाषण, नम्रता, दान, उपहार आदि द्वारा उसे संतुष्ट किया जाता है। परन्तु कई बार इसके विपरीत क्रिया-प्रणाली ऐसी कठोर, तीक्ष्ण एवं कटु बनानी पड़ती है कि लोगों को भ्रम हो जाता है कि कहीं यह दुर्भाव से प्रेरित होकर तो नहीं किया गया। ऐसे अवसरों पर वास्तविकता का निर्णय करने में बहुत सावधानी बरतने पड़ती है। सीधे-सादे अवसरों पर सीधी-सादी प्रणाली से भली प्रकार काम चल जाता है। भूखे, प्यासे की सहायता करनी है, तो वह कार्य अन्न-जल देने के सीधे-सादे तरीके से चल जाता है। किसी दुःखी या अभावग्रस्त को अभीष्ट वस्तुएं देकर उसकी सेवा की जा सकती है। धर्मशाला, कुआं, पाठशाला, अनाथालय, औषधालय आदि द्वारा लोकसेवा की जा सकती है। ऐसे कार्य निश्चय ही श्रेष्ठ हैं और उनकी आवश्यकता व उपयोगिता सर्वत्र स्वीकारी जा सकती है। परन्तु कई बार ऐसी सेवा की भी बड़ी आवश्यकता होती है, जो प्रत्यक्ष में बुराई मालूम पड़ती है और उसे करने वाले को अपयश ओढ़ना पड़ता है। इस मार्ग को अपनाने का साहस हर किसी में नहीं होता।

दुष्ट और अज्ञानियों को उस मार्ग से छुड़ाना, जिस पर वे बड़ी ममता और अहंकार के साथ प्रवृत्त हो रहे हैं, साधारण काम नहीं है। सीधे आदमी की भूल ज्ञान से, तर्क से, समझाने से सुधर जाती है पर जिनकी मनोभूमि अज्ञानान्धकार से कलुषित हो, साथ ही जिनके पास कुछ शक्ति भी है, वे ऐसे मदान्ध हो जाते हैं कि सीधी-सादी क्रिया-प्रणाली का उन पर प्रायः कुछ असर नहीं होता। मनुष्य शरीर धारण करने पर भी जिनमें पशुत्व की प्रधानता है, दुनिया में उनकी कमी नहीं है। उन्हें ज्ञान, तर्क, नम्रता, सज्जनता, सहनशीलता से अनीति के दुःखदाई मार्ग से पीछे नहीं हटाया जा सकता। पशु केवल दो चीजें पहचानता है- एक लोभ, दूसरा भय। दाना, घास खिला उसे ललचा कर कहीं भी ले जाइए, वह पीछे-पीछे चलेगा या लाठी का डर दिखा जिधर चाहे उधर ले जा सकते हैं। भय या लोभ से अज्ञानियों को, कुमार्गगामियों को सन्मार्ग में प्रवृत्त किया जा सकता है। भय उत्पन्न करने के लिए दंड का आश्रय लिया जाता है। लोभ के लिए कोई ऐसा आकषर्ण उसके सामने उपस्थित करना पड़ता है जो आज की अपेक्षा अधिक सुखदायी हो। नशेबाजी, व्यभिचार आदि के दुष्परिणाम को बढ़ा-चढ़ाकर, बताकर कई बार उस ओर चलने वालों को इतना डरा दिया जाता है कि वे उसे स्वतः छोड़ देते हैं।

प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे में

ललित गर्ग

प्रकृति अपनी उदारता में जितनी समृद्ध है, अपनी प्रतिशोधी प्रवृत्ति में उतनी ही कठोर है। जब तक मनुष्य उसके साथ तालमेल में रहता है, तब तक वह जीवन को वरदान देती है, जल, जंगल और जमीन के रूप में। लेकिन जैसे ही मनुष्य अपनी स्वार्थपूर्ण महत्वाकांक्षाओं और तथाकथित आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की उपेक्षा करने लगता है, यही प्रकृति विनाश का रूप धारण कर लेती है। आज पूरे भारत में जो बाढ़, जल प्रलय और मौसम के अनियंत्रित बदलाव के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वे केवल प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि हमारी गलतियों का सीधा परिणाम हैं। प्रकृति के इस रौद्र रूप के पीछे महज संयोग या 'कुदरत की नाराजगी' को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। यह आपदाएं सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन, वनों की अंधाधुंध कटाई और अनियंत्रित विकास मॉडल का परिणाम हैं। पहाड़ों का पारिस्थितिकी तंत्र अत्यंत संवेदनशील होता है, लेकिन नीतिनिमार्ताओं ने पहाड़ों के विकास को मैदानी मॉडल पर ढालने की कोशिश की। बड़े-बड़े होटल, अव्यवस्थित सड़कें, बांध, खनन और निर्माण ने पहाड़ों की नाजुक संरचना को हिला दिया। जब जंगल काटे जाते हैं तो वर्षा का पानी भूमि में समाने के बजाय सीधे तेज धाराओं के रूप में बहने लगता है। यही बाढ़ और भूस्खलन का बड़ा कारण बनता है, इसी से भारी तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है, देश के बड़े हिस्से में जन-जीवन अस्त-व्यस्त है, लाखों हेक्टेयर फसलें जनमग्न है, जान-माल का नुकसान भी बड़ा हुआ है, भारी आर्थिक नुकसान ने घना अंधेरा बिखेर दिया है। चारों ओर चिन्ताओं एवं परेशानियों के बादल मंडरा रहे हैं। आज की बाढ़ और जल प्रलय केवल पानी का उफान नहीं, बल्कि हमारी गलतियों का आईना है। यह प्रकृति का प्रतिशोध है, उसकी चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं चेते तो भविष्य और भी विकराल होगा। महात्मा गांधी ने कहा था-'प्रकृति हर किसी की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी के लालच को नहीं।' यही सच्चाई है। यदि हमने संतुलन नहीं सीखा, तो यह विनाशकारी दृश्य आने वाले वर्षों में और भयावह होंगे। लेकिन यदि हमने चेतावनी को अवसर माना, तो प्रकृति फिर से मां की तरह हमें संभाल लेगी। जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो उसका प्रकोप कितना घातक और विनाशकारी हो सकता है, यह इस वर्ष की मूसलाधार मानसूनी बारिश एवं बादल फटने की घटनाओं ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है। सामान्यतः जल जीवन का आधार है, लेकिन जब वही जल अपनी मयार्दा तोड़कर प्रलयंकारी रूप में आता है तो घर, खेत, सड़क, पुल, मंदिर-मस्जिद और मानवीय जीवन तक बहाकर ले जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य इस समय प्रकृति के ऐसे ही कहर का दंश झेल रहे हैं। बादल फटने की अप्रत्याशित घटनाएं, पहाड़ों से टूटते हिमखंड, अचानक बहते मलबे और बेकाबू नदियों का सैलाब-ये सब मिलकर भयावह परिदृश्य खड़ा कर रहे हैं। वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। यही कारण है कि बादल फटने जैसी घटनाएं पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई हैं। पहाड़ों की बस्तियां, जो कभी प्राकृतिक संतुलन में जीती थीं, अब मानवजनित गतिविधियों की मार झेल रही हैं। दरअसल, समस्या का मूल यह है कि हमने विकास की परिभाषा को केवल कंक्रीट और मशीनों से जोड़ दिया है। पर्यावरणीय संतुलन और पारिस्थितिकीय संवेदनशीलता को दरकिनार कर योजनाएं बनाई गईं। इसी का परिणाम है कि जब आपदा आती है तो न तो हमारी चेतावनी प्रणाली पर्याप्त साबित होती है और न ही प्रशासन की तैयारियां। सर्वोच्च न्यायालय में हिमाचल सरकार ने यह स्वीकार भी किया है कि अब तक अपनाए गए उपाय अपर्याप्त हैं। यह स्वीकारोक्ति बताती है कि समस्या कितनी गंभीर है। भारत की नदियाँ कभी जीवन का स्रोत मानी जाती थीं। गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी जैसी नदियों के किनारे सभ्यताएँ पली-बढ़ीं। लेकिन आज वही नदियाँ मौत का पैगाम बनकर आती हैं। कारण है उनके प्राकृतिक प्रवाह में मानवीय हस्तक्षेप-बेतरतीब बांध, अतिक्रमण, नालों में बदल चुकी धारा और किनारों पर बसी बस्तियाँ। भारत में हर साल औसतन 1,600 लोग बाढ़ से मारे जाते हैं और लगभग 75 लाख लोग प्रभावित होते हैं। फसलें तबाह होती हैं, पशुधन मरता है और अरबों रुपए की आर्थिक क्षति होती है। केवल 2023 में उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली में आई बाढ़ से 60,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में मौसम का पैटर्न पूरी तरह बिगड़ चुका है। मानसून जो पहले जून से सितंबर तक नियमित हुआ करता था, अब अनिश्चित और असमान हो गया है। कभी 24 घंटे में महीनों की बारिश हो जाती है, तो कभी लंबे सूखे का दौर देखने को मिलता है। 2013 की केदारनाथ त्रासदी ने पहाड़ों में अंधाधुंध निर्माण की पोल खोल दी। 2023 में दिल्ली में यमुना का 45 साल का रिकॉर्ड टूटना इस बात का संकेत है कि शहर जलवायु परिवर्तन और अव्यवस्थित शहरीकरण के सामने पूरी तरह असुरक्षित हो चुके हैं। देश के लगभग हर हिस्से में जल प्रलय की कहानियाँ देखी जा सकती हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में पहाड़ टूट रहे हैं, भूस्खलन से गांव उजड़ रहे हैं। बिहार और असम में बाढ़ हर साल लाखों लोगों को बेघर कर देती है। दिल्ली और मुंबई जैसे आधुनिक महानगर भी जलजमाव से पंगु हो जाते हैं। राजस्थान जैसे रेगिस्तानी राज्य में भी अनियंत्रित बारिश और बाढ़ का नया खतरा मंडरा रहा है। सड़कों पर नावें चल रही हैं, पुल बह गए हैं, खेत-खलिहान जलमग्न हैं। यह नजारा केवल विनाश का नहीं, बल्कि हमारी नासमझी का प्रमाण है। प्रकृति बार-बार संकेत देती है कि संतुलन ही जीवन का आधार है, लेकिन हमने उसकी सीमाओं को लांघ दिया है। पहाड़ों को खोखला कर सुरंगें और सड़कें बनाई गईं। जंगलों को काटकर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए। नदियों को उनके मार्ग से हटाकर कृत्रिम रास्तों में बांध दिया गया। आज जब बादल फटते हैं या नदियाँ बेकाबू होती हैं, तो यह केवल आपदा नहीं बल्कि प्रकृति का प्रतिशोध है।

अब सवाल यह है कि इस संकट से निपटें कैसे। केवल राहत और मुआवजा देना समाधान नहीं है। आवश्यकता है दीर्घकालिक और ठोस कदम उठाने की। हमें जंगल बचाने होंगे, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करना होगा, शहरी योजनाओं में जलनिकासी और हरियाली को महत्व देना होगा, पर्वतीय विकास में संयम लाना होगा और सबसे बढ़कर जनजागरूकता फैलानी होगी ताकि लोग समझ सकें कि पर्यावरण की रक्षा ही उनके जीवन की रक्षा है। जरूरत है कि आपदाओं को केवल 'प्राकृतिक' न मानकर उन्हें 'मानव निर्मित' एवं सरकार की गलत नीतियों की आपदाएं' भी समझा जाए। इसका अर्थ है कि इनका समाधान केवल राहत और बचाव तक सीमित न रहकर दीर्घकालिक रणनीति से जुड़ा होना चाहिए। विशेषज्ञों की राय, वैज्ञानिक अध्ययन और स्थानीय समुदायों के अनुभवों को मिलाकर ऐसी नीतियां बननी चाहिएं, जो पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना और पारिस्थितिकी को ध्यान में रखें। प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने समय रहते संतुलित विकास का मार्ग नहीं चुना तो भविष्य और अधिक भयावह होगा। पूर्व चेतावनी प्रणाली को सशक्त बनाना, पहाड़ी राज्यों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाना, आपदा प्रबंधन तंत्र को त्वरित और प्रभावी बनाना, और सबसे बढ़कर-वनों एवं प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना, यह सब आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

एशियाई हॉकी : पूरी लय में है भारतीय टीम

मनोज चतुर्वेदी

भारतीय हॉकी टीम राजगीर में एशिया कप हॉकी चैंपियनशिप होने से कुछ पहले तक उसे अच्छे प्रदर्शन के लिए याद नहीं किया जा रहा था।

वैसे भी भारतीय टीम फाइनल जैसे महत्त्वपूर्ण मुकाबलों में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए नहीं जानी जाती है, लेकिन इस चैंपियनशिप के फाइनल में पिछली चैंपियन दक्षिण कोरिया के खिलाफ भारत ने जिस तरह का प्रदर्शन किया, उससे लगने लगा है कि टीम फिर से ऊंचाइयों की तरफ बढ़ने के लिए तैयार है। भारत ने दक्षिण कोरिया पर 4-1 से जीत पाकर चौथी बार एशिया कप खिताब ही नहीं जीता बल्कि अगले साल अगस्त में नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया।

भारतीय टीम एफआईएच प्रो लीग में खराब प्रदर्शन के बाद यहां आई थी। इस लीग के आखिरी यूरोपीय चरण में भारत ने आठ में से सात मैच हारकर बेहद निराश कर दिया था। इस प्रदर्शन की वजह से टीम नौ टीमों की लीग में आठवें स्थान पर रही। वह रेलीगेट होने से एक स्थान से बच गई। इसकी वजह से पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक दिलाने वाले कोच क्रेग फुल्टोन की काबिलियत पर भी सवाल उठने लगे थे। एशिया कप में भारत के शुरूआती प्रदर्शन से स्थिति और बिगाड़ दी।

इन प्रदर्शनों को देखने से भारत की क्षमता पर संदेह व्यक्त किया जाने लगा, लेकिन भारत ने सुपर फोर में चीन के खिलाफ और फिर फाइनल में दक्षिण कोरिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन से अपनी फिर से धमक बना दी। भारतीय कोच एफआईएच प्रो लीग में भारतीय प्रदर्शन के बारे में कहते हैं कि इसमें खेले तो अच्छा पर नतीजे अच्छे नहीं निकाल सके। फुलटोन ने कहा, ह्यहम एफआईएच प्रो लीग में खेले तो अच्छा पर परिणाम अच्छे नहीं निकाल सके। पर हमने इसके बाद खामियों पर काम किया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हाल-फिलहाल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।ह्ल सही मायनों में इस ऑस्ट्रेलियाई दौरे ने ही एशिया कप की सही तैयारी कराकर जीत में अहम भूमिका निभाई। अब इस प्रदर्शन के बाद देश के हॉकीप्रेमी फिर से उत्साहित हो गए हैं और उन्हें टीम पर भरोसा बन गया है कि हम फिर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर झंडे गाड़ेंगे। भारत ने चीन हो या दक्षिण कोरिया दोनों के ही खिलाफ आक्रामक अंदाज में शुरूआत करके पहले कुछ मिनटों में गोल जमाकर खेल पर दबदबा बनाने की रणनीति अपनाई और यह रणनीति कारगर साबित हुई।

हरमनप्रीत की अगुआई वाला डिफेंस हो या अभिषेक की अगुआई वाली अग्रिम पंक्ति बहुत दमदार नजर आई। हरमनप्रीत का हमलों में आगे तक जाना और अभिषेक का डिफेंस के समय सर्किल में रहना टीम की फिटनेस का बताता है। वहीं जर्मनप्रीत, हार्दिक सिंह की अगुआई वाली हाफ लाइन भी गेंद को लगातार आगे रखने में सक्षम नजर आई। भारतीय टीम यदि इसी तरह खेलती रही, तो बहुत संभव है कि 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में पदक का रंग बदल जाए और अगले साल विश्व कप में भारतीय टीम पोडियम पर चढ़ती नजर आए। भारतीय टीम इस चैंपियनशिप में अपने प्रदर्शन में लगातार सुधार करती नजर आई। आखिर में वह एक इकाई के तौर पर खेलती दिखी।

क्रेग फुल्टोन के कोच के रूप में आने के बाद भारतीय टीम एरियल पासों का इस्तेमाल करने लगी है। आमतौर पर एशिया की टीमें एरियल पासों वाले खेल को कम ही खेलती दिखती रहीं हैं। पर भारतीय टीम का अब यह भी प्रमुख अस्त्र बन गया है। इस मामले में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने महारत हासिल कर ली। उनके नपे-तुले स्कूपों पर कई बार प्रतिद्वंद्वी ठगे से नजर आए। दक्षिण कोरिया भी इस खूबी की वजह से मैच में अधिकांश समय बचाब करती नजर आई।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत वैसे तो किसी तारीफ के मोहताज नहीं हैं। वह पिछले पेरिस ओलंपिक में सर्वाधिक गोल जमाने वाले रहे हैं। वह अनुभव के साथ निरंतर निखरते नजर आ रहे हैं। पेनल्टी कॉर्नरों पर गोल जमाने में तो वह महारत रखते ही हैं। साथ ही हमले बनाने में भी उनकी अहम भूमिका रहने लगी है। भारत का पहले मिनट में खाता खुलवाने में भी उनकी भूमिका अहम रही। उन्होंने पहले ही मिनट में कोरियाई डिफेंस को छकाते हुए सर्किल में खड़े सुखजीत को

पास दिया और उन्होंने रिवर्स शॉट से गोल भेद दिया। भारत के चौथे गोल को जमाया भले ही अमित रोहिदास ने पर इसमें भी हरमनप्रीत की भूमिका बेहद खास रही। क्रेग फुलटोन ने कहा, ह्यमैंने पहले कहा था कि हम एशिया में नंबर एक बनना चाहते हैं और टीम में गहराई लाना चाहते हैं। हमें लगता है कि हम वहां पहुंच रहे हैं। हमने अच्छी तैयारी की और अच्छा प्रदर्शन किया। टीम के खिलाड़ी बेहद समझदार हैं। इसलिए वह जो भी कोशिश करते हैं, उसे अंजाम तक पहुंचाते हैं। हम विरोधी टीम के साथ अपनी टीम पर भी बहुत होम वर्क करते हैं और यह उसका ही परिणाम है।ह्ल भारत के विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने से अब उन्हें इसकी तैयारी के लिए पूरा एक साल मिलेगा। इसका हम सही उपयोग कर सकें तो 1975 के बाद पहली बार भारत खिताब की उम्मीद कर सकता है।

(लेख में विचार निजी हैं)

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, TITLE NO,JHAHIN/2023/88773 Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

संक्षिप्त समाचार

पूर्वी कांगो में इस्लामिक स्टेट से जुड़े विद्रोहियों ने 60 लोगों का कत्ल किया

लुबेरो , एजेंसी। पूर्वी कांगो में मंगलवार रात को इस्लामिक स्टेट से जुड़े विद्रोही समूह एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्स (ष्ठस्न) ने हमला किया, जिसमें कम से कम 60 लोगों की मौत हो गई। यह हमला उस समय हुआ जब लोग एक अंतिम संस्कार में इकट्ठा हुए थे। एक प्रत्यक्षदर्शी ने मीडिया को बताया, लगभग 10 हमलावर थे। उनके पास माचेट (बड़ा चाकू) थे। उन्होंने लोगों को एक जगह इकट्ठा होने को कहा और फिर उन्हें मारना शुरू कर दिया। मैंने लोगों को चीखते सुना और बेहोश हो गई। लुबेरो क्षेत्र के प्रशासक कर्नल एलन किवेवा ने बताया कि मरने वालों की संख्या 60 के आसपास है, लेकिन अंतिम आंकड़ा अभी साफ नहीं है। उन्होंने कहा, हमने क्षेत्र में सेवाएं भेजी हैं ताकि लोगों की गिनती की जा सके। मंगलवार को ही बेनी क्षेत्र में एडीएफ ने एक और हमला किया था, जिसमें 18 लोग मारे गए थे। कांगो-युगांडा सीमा पर सक्रिय एडीएफ ने 2019 में इस्लामिक स्टेट के प्रति निष्ठा जताई थी। कांगो और युगांडा की कार्रवाइयों के बावजूद यह समूह नागरिकों पर हमले कर रहा है। जुलाई में इतुरी प्रांत में एडीएफ ने दो बड़े हमले किए थे, जिनमें 34 और 66 लोग मारे गए थे। क्षेत्र में कई समूह सक्रिय हैं, जिनमें रवांडा समर्थित एम23 विद्रोही और कांगो सरकार के बीच बड़ा संघर्ष शामिल है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार आयुक्त वोल्कर तुर्क ने कहा कि सुरक्षा की कमी का फायदा उठाकर एडीएफ हमले कर रहा है। स्थानीय लोग डर और अनिश्चितता में जी रहे हैं, और स्थिति लगातार बिगड़ रही है।

अमेरिकी वित्त मंत्री ने कहा-रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाने को तैयार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने मंगलवार को यूरोपीय देशों के साथ बातचीत में रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाने को तैयार है। बेसेंट ने कहा कि रूस पर प्रतिबंध तभी सफल होगा, जब यूरोपीय देश अमेरिका का साथ देंगे। बेसेंट ने यूरोपीय देशों के दूत को राष्ट्रपति ट्रम्प की रणनीति के बार में बताया।

जापान में नए पीएम का चुनाव 4 अक्तूबर को

टोक्यो, एजेंसी। जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) चार अक्तूबर को निवर्तमान प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा की जगह नए नेता का चुनाव करेगी। यह चुनाव एक सरलीकृत मतदान प्रक्रिया के बजाय औपचारिक प्रतियोगिता के बाद होगा। एलडीपी के एक वरिष्ठ सांसद ने कहा कि वित्त विशेषज्ञ व दक्षिणपंथी साने ताकाइची ने चुनाव लड़ने का फैसला किया है। दूसरी तरफ, कृषि मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने भी ताल ठोंकी है। वह पूर्व प्रधानमंत्री जुनिचिरो कोइजुमी के पुत्र हैं। इनके अलावा तीन और प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ने की बात कही जा रही है, लेकिन औपचारिक रूप से दावेदारी फिलहाल किसी ने भी नहीं पेश की है। प्रतियोगिता के पहले दौर में डाइट में प्रत्येक एलडीपी सांसद एक वोट डालता है और पार्टी के सभी सदस्यों की पसंद को डाइट सदस्यों के वोटों के बराबर अनुपात में विभाजित किया जाता है ताकि परिणाम पार्टी सदस्यों के व्यापक विचारों को प्रतिबिंबित करे। ताकाइची और कोइजुमी सितंबर 2024 में नेतृत्व की दौड़ में भाग ले चुके हैं और क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे थे। इसमें इशिबा ने जीत हासिल की थी। सरकार के शीर्ष प्रवक्ता के एक करीबी सूत्र के अनुसार, अन्य संभावित उम्मीदवारों में पूर्व विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी और मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी भी शामिल हैं।

बांग्लादेश ने भारत को 1,200 टन हिल्सा के निर्यात की दी अनुमति

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने दुर्गा पूजा से पहले भारत को 1,200 टन हिल्सा मछली के निर्यात की अनुमति देने का फैसला किया है। बांग्लादेश के वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार देर रात एक अधिसूचना में कहा, सरकार ने चालू वर्ष में भारत को 1,200 मीट्रिक टन हिल्सा सशर्त निर्यात करने का नीतिगत निर्णय लिया है। इच्छुक निर्यातकों से 11 सितंबर शाम 5 बजे तक आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। सरकार ने प्रति किलोग्राम हिल्सा का न्यूनतम निर्यात मूल्य 12.50 अमेरिकी डॉलर निर्धारित किया है।

भारतवंशी तेजस्वी को टाइम मैग्जीन का किड ऑफ द ईयर अवार्ड

टेक्सास, एजेंसी। भारतवंशी तेजस्वी मनोज को टाइम मैग्जीन के किड ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए चुना गया गया है। 17 वर्षीय तेजस्वी वृद्धों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाने और उसकी रिपोर्ट करने में मदद करने का काम करती हैं। टेक्सास के फ्रिस्को की तेजस्वी को उनके नवाचार शील्ड सीनियर्स के लिए प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया। टाइम ने कहा, बुजुर्ग अमेरिकियों को सुरक्षा की जरूरत है।

भूकंप से उठी चिंगारी कैसे बन गई ज्वाला? नेपाल में जेन जेड के लीडर की अद्भुत कहानी

काठमांडु, एजेंसी। नेपाल में जेन जेड आज भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, बेरोजगारी और सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ सड़कों पर है। इस आंदोलन की जड़ें एक दशक पहले आई उस त्रासदी से जुड़ी हैं, जिसने हिमालयी राष्ट्र को हिलाकर रख दिया था। वह था 2015 का विनाशकारी भूकंप। इस भूकंप ने न केवल घरों और जिंदगियों को तोड़ा, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति को भी गढ़ा, जो आज जेन जेड के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक है- सुदन गुरुंग।

भूकंप ने बदली जिंदगी : रिपोर्ट के मुताबिक, 38 वर्षीय सुदन गुरुंग कभी थमेल के नाइटलाइफ और पार्टी सर्किट का जाना-माना चेहरा थे। वे थमेल की पार्टी सर्किट में डीजे सेट्स और क्लब आयोजनों से जुड़े थे लेकिन उनका जीवन 2015 के भूकंप के बाद पूरी तरह बदल गया। गुरुंग ने उस समय कहा था, मेरी बाहों में एक बच्चे ने दम तोड़ा। मैं उस पल को कभी नहीं भूल सकता। इसी असहायता से जन्म हुआ हामी नेपाल का। यह एक स्वयंसेवी संगठन है जो चावल की बोरियों के दान से शुरू हुआ और धीरे-धीरे संगठित रूप लेने लगा। एक दशक बाद, यही संगठन नेपाल के जेन जेड की पहचान बन चुका है।

पार्टी से समाज सेवा तक : भूकंप से पहले गुरुंग का जीवन क्लब, डीजे सेट और इवेंट्स के इर्द-गिर्द घूमता था। नेपाली रॉक सिंगर-सॉन्गराइटर और अभया एंड द स्टीम इंजन्स बैंड की फ्रंटवुमन अभया सुब्बा ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, नाइटलाइफ में उनकी पृष्ठभूमि ने उन्हें लोगों की नब्ज पढ़ने की कला सिखाई थी। अब वे इस कौशल का उपयोग युवा स्वयंसेवकों को एकजुट करने में करते हैं। 25 अप्रैल 2015 को आए भूकंप के तुरंत बाद, गुरुंग ने सोशल मीडिया पर मदद की गुहार लगाई। इसके जवाब में करीब 200 स्वयंसेवक जुट गए। उन्होंने गांवों में चावल पहुंचाया, स्कूलों में तंबू लगाए, और उधार की मोटरसाइकिलों पर घायलों को अस्पतालों तक ले गए। इस अस्थायी नेटवर्क ने हामी नेपाल (हम नेपाल हैं) का रूप लिया, जो 2020 तक 1,600 से अधिक सदस्यों वाला एक पंजीकृत एनजीओ बन चुका था।

अनुशासित और केंद्रित नेतृत्व : प्रसिद्ध नेत्र सर्जन और हामी नेपाल के मेंटर डॉ. संदूक रुइत कहते हैं, सूदन गुरुंग एक असामान्य रूप से अनुशासित ग्रासरूट लीडर हैं। उनकी ताकत बयानबाजी में नहीं, बल्कि लॉजिस्टिक्स पर ध्यान देने में है, यही कारण है कि युवा उन पर भरोसा करते हैं। सोशल मीडिया बैन और जेन जेड का विद्रोह हाल के आंदोलनों ने हामी नेपाल की इस विरासत को एक राजनीतिक आंदोलन में बदल दिया। जब नेपाल सरकार ने 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाया, तो जेन जेड को लगा कि उनकी आवाज को दबाया जा रहा है। गुरुंग ने स्कूल यूनिफॉर्म और किताबें हाथ में लेकर सड़कों पर उतरने का आह्वान किया। प्रदर्शनकारियों ने एक अनोखा प्रतीक चुना- जापानी एनीमे वन पीस का स्ट्रॉ हैट जॉली रोजर झंडा उठाया। यह इस एनीमे के कैरेक्टर मंकी डी. लफी की पहचान है।

तुम्हें मुक्का मारूंगा: डिनर पार्टी में ट्रंप के अफसरों में तू-तू, मैं-मैं, क्यों भिड़े बेसेंट और पुल्टे?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासनिक अफसर आपस में ही भिड़ रहे हैं। ट्रंप की सलाहकार शाखा के दो अफसर हाल ही में एक डिनर पार्टी में उलझ गए। दोनों के बीच बात यहां तक बढ़ गई कि एक ने दूसरे को मुक्का मारने की धमकी दे डाली। बाद में पार्टी में मौजूद अन्य लोगों ने दोनों को समझाकर शांत कराया। इसे लेकर डिनर पार्टी और अमेरिकी राजनीतिक गलियारों में काफी चर्चा रही। वाकया तीन अगस्त 2025 का है। वॉशिंगटन डीसी के जॉर्जटाउन में एक क्लब में ट्रंप प्रशासन के अधिकारी पॉडकास्टर चमथ पालीहापितिया की बर्थडे पार्टी में पहुंचे थे। इस पार्टी में ट्रंप के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और आवास वित्त प्रमुख बिल पुल्टे भी थे। पार्टी के दौरान जैसे ही कॉकटेल शुरू हुआ तो बेसेंट ने पुल्टे के खिलाफ अपशब्द बोलने शुरू कर दिए। बेसेंट से किसी ने कहा कि पुल्टे ट्रंप के सामने उनके बारे में बुरा-भला कह रहे हैं।

बेसेंट ने पुल्टे से गुस्से में पूछा कि तुम राष्ट्रपति से मेरे बारे में क्यों बात कर रहे हो? मैं तुम्हारे चेहरे पर मुक्का मार दूंगा। दोनों अफसरों के बीच तू-तू, मैं-मैं होते देख क्लब के सह मालिक ओमीद मलिक पहुंच गए। बेसेंट ने चिल्लाकर मलिक से

कहा कि पुल्टे को क्लब से बाहर निकालो। या तो मैं यहां रहूंगा या फिर ये रहेगा। मुझे बताओ कौन यहां से बाहर जा रहा है?

इस पर पुल्टे ने पूछा कि किसलिए बाहर जाना है? क्या बात करने के लिए? इस पर बेसेंट ने अपशब्द कहे और कहा कि नहीं। विवाद बढ़ता देख क्लब के सह मालिक मलिक ने दोनों को अलग किया और बेसेंट को क्लब के दूसरे हिस्से में ले गए। डिनर के दौरान भी दोनों को टेबल के अलग-अलग छोर पर बिठाया गया। इस वाकये को लेकर पार्टी में चर्चा का आलम रहा। पार्टी में परिवहन मंत्री सीन डफी, वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक, आंतरिक सचिव डग बर्गम, कृषि सचिव ब्रुक रोलिंस, राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड, एसबीए प्रशासक केली लोफ्लर, मेडिकेड प्रमुख मेहमत ओज और उद्यमी डेविड सैक्स शामिल थे।

फ्रांस में 9 मस्जिदों के बाहर मिले सूअरों के सिर, 5 पर लिखा राष्ट्रपति का नाम

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में जारी राजनीतिक गतिरोध के बीच मंगलवार को राजधानी पेरिस और आसपास की नौ मस्जिदों के बाहर सूअरों के कटे सिर मिलने से वहां हड़कंप मच गया है। इनमें से पांच पर फ्रेंच राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के नाम लिखे हुए थे। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि इस घटना के पीछे किसका हाथ है लेकिन फ्रांसीसी अधिकारियों ने देश के मुस्लिम समुदाय को पूरी सुरक्षा देने का आश्वासन दिया है। फ्रांस में यूरोप की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी रहती है, जिसकी संख्या 60 लाख से ज़्यादा है। इस्लाम में सूअर का मांस खाना वर्जित है। हाल के दिनों में फ्रांस में मुस्लिम विरोधी माहौल तेजी से पसरा है।

इस घटना पर वहां के गृह मंत्री ब्रूनो रिटेलेउ ने कहा, मैं चाहता हूँ कि हमारे मुस्लिम देशवासी शांति से अपने धर्म का पालन करें। इस बीच, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू को प्रधानमंत्री नियुक्त किया है और उन्हें विभाजित संसद में आम सहमति बनाने और 2026 का बजट पारित कराने का चुनौतीपूर्ण कार्य सौंपा है। दूसरी तरफ पेरिस पुलिस के प्रमुख लॉरेंट नुनेज़ ने कहा कि यह घटना फ्रांस को अस्थिर करने की विदेशी साजिश हो सकती है और इसमें विदेशी हस्तक्षेप की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है क्योंकि देश फिलहाल वित्तीय और राजनीतिक संकट से जूझ रहा है। उन्होंने कहा, हम पिछली कार्रवाइयों से तुलना करने से नहीं बच सकते, जो अक्सर रात में होती थीं और विदेशी हस्तक्षेप साबित हुई थीं। हालांकि उन्होंने किसी देश का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया लेकिन उनका इशारा रूस की तरफ था, जो पहले भी फ्रांस में अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर चुका है। मई में यहूदी प्रार्थना स्थलों और एक नरसंहार स्मारक को हरे रंग से रंगने के बाद, विदेशी शक्ति से संबंध रखने के आरोप में तीन सर्बियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था। पेरिस अभियोजक कार्यालय ने कहा कि पेरिस की मस्जिदों के बाहर चार और राजधानी के बाहरी इलाके की मस्जिदों में सूअरों के पाँच सिर मिले हैं।

इजराइल का कतर की राजधानी दोहा पर हमला: हमास लीडर बाल-बाल बचे, 6 अन्य की मौत

दोहा, एजेंसी। कतर की राजधानी दोहा में मंगलवार को कई जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इजराइली सेना ने ऐलान किया कि उसने हमास के सीनियर नेताओं को निशाना बनाकर हवाई हमले किए हैं। ये हमला हमास चीफ खलील अल-हय्या को निशाना बनाकर किया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमले में अल-हय्या बच गया, जबकि 6 अन्य लोगों की मौत हो गई। इस बीच इजराइली पीएम नेतन्याहू ने भी कहा कि इजराइल इस हमले की 'पूरी जिम्मेदारी' लेता है। जब यह हमला तब हुआ जब हमास नेता अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव पर आपस में चर्चा कर रहे थे। इजराइली सेना और सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि यह हमला बेहद सटीक तरीके से उन हमास नेताओं पर किया गया, जो संगठन की गतिविधियों को लंबे समय से चला रहे थे। एसोसिएटेड

प्रेस से बात करते हुए एक इजराइली अधिकारी ने पुष्टि की कि यह हमला कतर की राजधानी दोहा में हुआ। सेना के मुताबिक ये हमास लीडर 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हुए हमले के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार थे।

कतर में हमास नेताओं का ठिकाना : यह हमला ऐसे समय हुआ है जब इजराइली सेना के जनरल स्टाफ प्रमुख इयाल जमीर ने हाल ही में कहा था कि विदेशों में मौजूद हमास नेताओं को भी निशाना बनाया जाएगा। उन्होंने 31 अगस्त को कहा था कि हमास का अधिकांश नेतृत्व विदेश में है, और हम उन तक भी पहुंचेंगे। कतर लंबे समय से हमास के निर्वासित नेताओं का ठिकाना रहा है और वह इजराइल और फिलिस्तीन के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाता रहा है। गाजा पर युद्धविराम और 7 अक्टूबर को हमास के बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई को लेकर जो बातचीत चल रही थी, यह हमला उसे और जटिल बना सकता है।

कतर ने इजराइली हमले की आलोचना की : हमले के बाद कतर ने इजराइल की कड़ी आलोचना की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने इसे हमास के राजनीतिक मुख्यालय पर कायराना हमला करार दिया और कहा कि यह सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मानदंडों का उल्लंघन है। दूसरी ओर, इजराइल के वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच ने इस कार्रवाई की तारीफ़ की। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों को दुनिया में कहीं भी इजराइल से छूट नहीं मिलेगी। एक्स पर लिखते हुए उन्होंने द्बष्ठस्न और शिन बेट के सही फैसले और सटीक निशाने की सराहना की और कहा कि आतंकवादियों को इजराइल के लंबे हाथों से कभी भी कोई छूट नहीं मिलेगी।

बाहरी ताकतों का विरोध करें, अपनी राष्ट्रीय पहचान बनाएं, सिंगापुर के पूर्व पीएम की लोगों से अपील

सिंगापुर सिटी, एजेंसी। वैश्विक तनाव के बीच सिंगापुर के पूर्व पीएम ने अपने देश के लोगों से बड़ी अपील की है। उन्होंने कहा कि लोग बाहरी ताकतों का विरोध करें और एक मजबूत राष्ट्रीय पहचान बनाए रखें। केंट रिज मिनिस्टीरियल फोरम में पूर्व पीएम ली सियन लूंग ने कहा कि सिंगापुर को शक्तिशाली बाहरी ताकतें बहुत अलग दिशाओं में खींच रही हैं।

वैश्वीकरण को या घरेलू दोषों को राष्ट्रीय पहचान की भावना के लिए बड़ी चुनौती मानने के सवाल पर ली ने कहा कि मुसलमान स्वाभाविक रूप से इस्राइल और हमास के बीच युद्ध को लेकर अधिक परेशान हैं। मगर भारत या चीन में होने वाले घटनाक्रम का उन समुदायों पर अधिक प्रभाव पड़ेगा। हमारा काम इसका विरोध करना है और यह याद रखना है कि मैं मुस्लिम हूं या मैं चीनी हूं या मैं भारतीय हूं, लेकिन मैं सिंगापुरी भी हूं। यहां मेरा कुछ स्थान है। मैं यहां का निवासी हूं तथा मुझे यहीं से दुनिया को देखना चाहिए। सिंगापुर राष्ट्रीय विवि के छात्रों और शिक्षाविदों को संबोधित करते हुए सिंगापुर के तीसरे प्रधानमंत्री रहे ली ने कहा कि हर पीढ़ी को अपने संकटों से पार पाना होगा। इन्हीं चुनौतियों के माध्यम से सिंगापुर की राष्ट्रीय पहचान मजबूत होगी। सिंगापुर की पहचान पहले से अधिक मजबूत है और अब उसे महाशक्तियों के बीच प्रतिद्वंद्विता और भू-राजनीतिक व्यवधानों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पहचान बहुस्तरीय है। हम एक लोग हैं, लेकिन... हम सभी एक जैसे नहीं हैं और कुछ खामियां हैं जिनसे हमें बचना है। केवल सिंगापुरी होना किसी व्यक्ति की पहचान का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा नहीं है। हम चीनी सिंगापुरी, मलय सिंगापुरी या भारतीय सिंगापुरी भी हैं। हम ईसाई, मुसलमान या बौद्ध भी हैं।

उन्होंने कहा कि आपके राजनीतिक विचार भी अलग-अलग हो सकते हैं। आप सरकार समर्थक हो सकते हैं, आप विपक्ष समर्थक भी हो सकते हैं। आपकी यौन प्रवृत्तियां अलग-अलग हो सकती हैं और इसलिए आपके मित्र मंडली और दुनिया के प्रति आपके नजरिए भी अलग-अलग हो सकते हैं। ये सब हमारी पहचान की अलग-अलग परतें हैं, जो हमेशा मौजूद रहती हैं।

चीन में टैरिफ से अमेरिकी कंपनियों की बिक्री में आएगी गिरावट, शंघाई चैंबर के सर्वे में बड़ा खुलासा

बीजिंग, एजेंसी। चीन पर अमेरिका की ओर से लगाए गए टैरिफ को लेकर शंघाई में अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स के सर्वे में बड़ा खुलासा हुआ है। सर्वे के बाद सामने आया है कि टैरिफ से चीन में काम कर रही कई अमेरिकी कंपनियों की बिक्री प्रभावित होगी। इसमें गिरावट आएगी। सर्वे में भाग लेने वाली 254 कंपनियों में से लगभग दो-तिहाई ने कहा कि नए टैरिफ ने 2025 में उनके चीन परिचालन के लिए अपेक्षित राजस्व को कम कर दिया है। वहीं लगभग एक-तिहाई कंपनियां जिनमें से कई बैंकिंग और अन्य उद्योगों में हैं जो अमेरिका से आयात या निर्यात नहीं करते हैं, उन्हें किसी भी प्रभाव की उम्मीद नहीं है।

शंघाई चैंबर के नेताओं ने कहा कि टैरिफ से उन कंपनियों पर असर पड़ेगा जो अमेरिका को निर्यात करती हैं और उन कंपनियों पर भी जो चीन में अपने उत्पादन के लिए अमेरिकी पार्ट्स या सामग्री आयात करती हैं। समूह के अध्यक्ष एरिक झेंग ने कहा कि टैरिफ का हमारे परिचालन पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है। दोनों पक्ष व्यापार वार्ता कर रहे हैं, लेकिन टैरिफ और अन्य मुद्दों पर उनकी दिशा स्पष्ट नहीं है। यह अनिश्चितता उन कंपनियों के लिए एक चुनौती है जिन्हें भविष्य के लिए योजनाएं बनाने की जरूरत है। 19 मई से 20 जून तक किए गए शंघाई चैंबर सर्वेक्षण में पाया गया कि टैरिफ से सबसे अधिक नुकसान निर्माताओं को हो रहा है। करीब तीन-चौथाई ने कहा कि आयात करों से 2025 तक उनके चीन राजस्व में कमी आएगी। उत्तरदाताओं ने अगले तीन से पांच वर्षों के लिए अमेरिका-चीन तनाव को अपनी सबसे बड़ी चुनौती बताया। झेंग ने द्विपक्षीय संबंधों में सुधार को हमारी पहली माँग बताया। अमेरिका ने लगाया 145 फीसदी टैक्स ट्रंप ने चीन से आयात पर 30 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। जबकि मई में दोनों देशों के बीच टैरिफ युद्ध को कम करने पर सहमति बनने से पहले इसे एक समय 145 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया था। चीन ने भी अमेरिकी आयात पर 10 प्रतिशत कर लगाकर जवाब दिया है। वहीं अमेरिकी अदालतों ने फैसला सुनाया है कि ट्रंप के कई टैरिफ अमेरिकी आपातकालीन शक्ति कानून का अवैध उपयोग हैं, लेकिन आयात कर यथावत बने रहेंगे, क्योंकि उनका प्रशासन इस मामले को सर्वोच्च न्यायालय में अपील कर रहा है।

लड़ाई का एक और मोर्चा खुलने का बढ़ा खतरा, पोलैंड का दावा- हवाई क्षेत्र में घुसे रूसी ड्रोन मार गिराए

वारसॉ, एजेंसी। पोलैंड की सेना ने बुधवार को दावा किया कि उन्होंने रूस के ड्रोन्स को मार गिराया है। पोलैंड का कहना है कि रूसी ड्रोन्स ने यूक्रेन पर हमले के दौरान उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। पोलैंड की सेना ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि आज रूस द्वारा जब यूक्रेन पर हमला किया जा रहा था, तो उस दौरान रूसी ड्रोन्स जैसी चीजों ने बार-बार हमारे हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। इन वस्तुओं की पहचान कर उन्हें तबाह कर दिया गया।

पोलैंड की सेना ने जारी किया बयान : बयान में कहा गया है, पोलिश हवाई क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, सशस्त्र बलों के ऑपरेशनल कमांडर ने सभी जरूरी कदम उठाए हैं। पोलैंड के विमान और सहयोगी विमान हमारे हवाई क्षेत्र

में उड़ान भर रहे हैं, और जमीनी वायु रक्षा और रडार टोही प्रणालियां भी अलर्ट पर हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से यह पहली बार है जब पोलैंड ने अपने हवाई क्षेत्र में किसी ड्रोन को निशाना बनाया है। यह घटना ऐसे समय घटी है, जब पोलैंड के राष्ट्रपति ने मंगलवार को ही अपने एक बयान में चेतावनी दी कि रूस, अन्य यूरोपीय देशों पर भी हमला कर सकता है।

एहतियातन कई हवाई अड्डे बंद किए गए अमेरिकी संघीय उड्डयन प्रशासन (फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन) के अनुसार, हमले के बाद, पोलैंड ने एहतियातन अपने वारसॉ स्थित अपने मुख्य चोपिन हवाई अड्डे सहित चार हवाई अड्डों को बंद कर दिया। पोलैंड के दक्षिण-पूर्व में स्थित रजेजो-जसियोंका हवाई अड्डे को भी बंद कर दिया गया है। बता दें कि रजेजो-जसियोंका हवाई अड्डा यूक्रेन के लिए यात्रियों और हथियारों के परिवहन का केंद्र है। यूक्रेनी वायु सेना ने बताया था कि रूसी ड्रोन नाटो-सदस्य पोलैंड के हवाई क्षेत्र में घुस आए हैं, लेकिन बाद में टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप से इस बयान को हटा दिया गया।

पोलैंड क्यों है अहम : पोलैंड भौगोलिक तौर पर पूर्वी यूरोपीय देश है, जिसकी सीमा बेलारूस और यूक्रेन से लगती हैं। पोलैंड यूरोपीय संघ और नाटो का सदस्य है और यूक्रेन, माल्दोवा आदि देशों को भी नाटो में शामिल करने का समर्थक है। यही वजह है कि अमेरिका और रूस दोनों महाशक्तियों की पोलैंड में रुचि होती है। रूस के यूक्रेन पर हमले का पोलैंड द्वारा विरोध किया जा रहा है और पोलैंड खुलकर यूक्रेन की मदद भी कर रहा है। हालांकि पोलैंड को डर है कि रूस, बेलारूस के साथ मिलकर उसकी संप्रभुता को नुकसान पहुंचा सकता है।

रूस और उसका सहयोगी बेलारूस जल्द ही बेलारूस में संयुक्त सैन्य अभ्यास करने वाले हैं, जिससे पोलैंड के साथ-साथ नाटो के अन्य सदस्य देश लातविया और लिथुआनिया भी बेचैन हैं।

पटना समेत 9 जिलों में बारिश, बेगूसराय में सड़क पर गंगा

बगहा में गंडक बराज के गेट खोले गए, निचले इलाकों में अलर्ट

पटना। बिहार में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदल गया है। पटना, आरा, समस्तीपुर, सारण, बक्सर, बेतिया, सुपौल, भागलपुर और जमुई में बारिश हुई है। इधर, बेगूसराय में गंगा का लेवल लगातार बढ़ रहा है। नदी सड़क पर बह रही है। शाम्हो प्रखंड का बेगूसराय, लखीसराय और मुंगेर से सड़क संपर्क टूट गया है। बगहा में देर रात से झमाझम बारिश हो रही है, जो गुरुवार को भी जारी है। गंडक बराज से एक लाख 23 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। नेपाल के पहाड़ी इलाके में हो रही बारिश के कारण मधुबनी में कमला नदी उफान पर है। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज यानी गुरुवार को प्रदेश के 13 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में अगले 24 घंटे तक हल्की और मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं, राज्य के बाकी जिलों में मौसम सामान्य रहने की उम्मीद है। पिछले 24 घंटे में पटना, समस्तीपुर, जहानाबाद, बेतिया, सीवान, किशनगंज, सुपौल और गोपालगंज में तेज बारिश हुई। राजधानी में हुई बारिश के बाद अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। यहां 34.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। इससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया, बंगाल की खाड़ी में लो-प्रेशर एरिया पहले से ज्यादा मजबूत हुआ है। इसके कारण प्रदेश में नमी का स्तर तेजी से बढ़ रहा है। इससे प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल गया है। प्रदेश में अगले दो से तीन दिनों तक उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में रुक-रुककर बारिश हो सकती है। बारिश और नमी बढ़ने के कारण अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, अगले 24 घंटों में बिहार के कई जिलों में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है। इससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिलेगी। हालांकि, जिन जिलों में ज्यादा बारिश होगी, वहां स्थानीय स्तर पर जलजमाव की समस्या बन सकती है। गुरुवार दोपहर कटिहार का मौसम बदला और बारिश शुरू हो गई। लोगों को गर्मी से राहत मिली है। शेखपुरा में पिछले 15 दिनों से बारिश नहीं होने से धान की फसल को नुकसान पहुंच रहा है। खेतों में दरारें पड़ने लगी हैं। हालांकि आज सुबह से आसमान में बादल दिखाई दिए हैं। उमस भरी गर्मी से आज कुछ राहत महसूस होने लगी है। जमुई में 10.40 बजे अचानक मौसम बदला। तेज बारिश हो रही है। लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

मानसून खत्म होते ही निर्माण शुरू होने की आस

बक्सर। बिहार के बक्सर और उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के भरौली के बीच गंगा नदी पर बनने वाले तीन लेन के पुल के निर्माण में देरी हो रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 30 मई 2025 को इसका शिलान्यास किया था, लेकिन तीन महीने बाद भी निर्माण शुरू नहीं हुआ। देरी की प्राथमिक वजह निविदा प्रक्रिया में शिथिलता और कंसल्टेंसी की नियुक्ति में विलंब सामने आ रही है। मानसून खत्म होने और गंगा में बाढ़ का असर कम होने पर निर्माण शुरू होने की उम्मीद है। मिट्टी जांच फरवरी 2025 में पूरी हो चुकी है। शुरूआती लक्ष्य जुलाई तक काम शुरू करने का रखा गया था। यह पुल बक्सर-पटना एनएच 922 का हिस्सा होगा।सके उत्तरी छोर से गाजीपुर-बलिया ग्रीनफील्ड फोरलेन का 17 किलोमीटर लंबा भरौली स्पर शुरू हो जाएगा। यह स्पर गाजीपुर जिले के करीमुद्दीनपुर में ग्रीनफील्ड फोरलेन के मुख्य मार्ग के साथ ही पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से एलिवेटेड इंटरचेंज प्वाइंट के जरिए जोड़ेगा। यह पुल पटना-बक्सर एनएचञ्च922 (भविष्य में बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेस-वे), उन्नाव-मालदा एनएचञ्च31 के बलिया-गाजीपुर खंड और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को जोड़ेगा। यह बक्सर-भरौली के बीच जाम की समस्या का समाधान करेगा। वर्तमान में दो पुराने पुल हैं, जिनमें एक 50 वर्ष पुराना और कमजोर है, जिस पर केवल हल्के वाहन चलते हैं, जबकि दूसरे पर जाम की स्थिति बनती है, जो 20-40 किमी तक प्रभावित करती है। परियोजना हाइब्रिड एन्युइटी मोड (एचएएम) पर आधारित है। ठेकेदार एएससी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड और स्वतंत्र इंजीनियर चैतन्य प्रोजेक्ट्स कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड व इनफिनिट सिविल साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (ज्वाइंट वेंचर) हैं।

गोपालगंज के सदर अस्पताल के इमर्जेंसी वार्ड में पानी घुस गया है। मरीजों को परेशानी हो रही है। सीवान के कई इलाकों में बीती रात से बारिश हो रही है।

भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी का बड़ा ऑपरेशन

गौर जेल के 5 फरार कैदी पकड़े गए

मोतिहारी। नेपाल में जारी हिंसा और तनाव के बीच रौतहट जिले के गौर जेल से फरार हुए पांच कैदियों को भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी ने धर दबोचा। पकड़े गए सभी कैदी नेपाल के ही निवासी बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, मोतिहारी के कुंडवा चैनपुर बॉर्डर पर तैनात एसएसबी की टीम ने बुधवार दोपहर महुलिया बॉर्डर के पास जांच के दौरान इन कैदियों को पकड़ा। बताया जाता है कि नेपाल में जारी विद्रोह का फायदा उठाकर सभी आरोपी जेल तोड़कर भाग निकले थे।

एसएसबी की 20वीं बटालियन, सीतामढ़ी के कमांडेंट गिरीशचंद्र पांडेय ने पुष्टि की कि कुंडवा चैनपुर बटालियन ने ही इन कैदियों को गिरफ्तार किया था। पकड़े गए कैदियों की पहचान रौतहट जिले के गौर गढ़वा वार्ड नंबर-5 निवासी विश्वनाथ यादव, रवि यादव, राहुल राय यादव, चंद्रानिकाहपुर के सूरज राय और गरुवा निवासी राम विनोद प्रसाद के रूप में हुई है। पूछताछ के बाद सभी को कुंडवा चैनपुर थाना पुलिस को सौंप दिया गया। थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि आगे की प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी कैदियों को नेपाल की महुलिया पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

भोजपुर में भीषण सड़क हादसा

भोजपुर। जिले में गुरुवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। आरा-जगदीशपुर रोड पर हाटपोखर के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने यात्री बस को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस सड़क किनारे पलटते-पलटते बची, लेकिन उसमें सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में दो दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हैं।घटना के बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को आरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक तेज रफ्तार में था और ओवरटेक करने की कोशिश में बस से जा टकराया।

संक्षिप्त डायरी

किशनगंज में बाइक और अज्ञात वाहन की टक्कर, एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर

किशनगंज। गुरुवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, बहादुरगंज थाना क्षेत्र के नटवापाड़ा के पास सुबह करीब 11 से 12 बजे के बीच यह हादसा हुआ। अमलझाड़ी निवासी हाशिम आलम (32) अपने साथी शालिम आलम (23) के साथ बाइक से बहादुरगंज से किशनगंज मुख्यालय की ओर जा रहे थे। इस दौरान एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में हाशिम आलम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शालिम आलम गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे स्थानीय लोगों की मदद से एमजीएम अस्पताल, किशनगंज में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने कुछ देर के लिए सड़क जाम कर विरोध जताया। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष संदीप कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हालात को काबू में किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। वहीं, अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी गई है।

नकली आयकर अफसर बनकर बदमाशों ने उड़ाए लाखों के गहने, स्वर्ण व्यवसायी बने शिकार

मुजफ्फरपुर। जिले के बेनीबाद थाना क्षेत्र के बेनीबाद बाजार हाट के पास एक स्वर्ण व्यवसायी के घर में बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। बताया जा रहा है कि चार से पाँच की संख्या में आए बदमाश खुद को इनकम टैक्स अधिकारी बताकर घर में घुसे और अलमीरा की चाभी लेकर उसमें रखे लाखों रुपये के आभूषण और नकदी लेकर फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक, घटना के दौरान बदमाशों ने घर के सभी सदस्यों के मोबाइल और सामान जब्त कर लिए और करीब 15 मिनट तक तलाशी के नाम पर अलमारी और पेटी खंगालते रहे। परिवार के लोग इस दौरान डरे-सहमे रहे और बदमाश आराम से निकल गए। बाद में गृहस्वामी को एहसास हुआ कि आयकर अधिकारी बनकर आए लोग दरअसल बदमाश थे। पीड़ित स्वर्ण व्यवसायी गौरी साह ने बताया कि उनका बेनीबाद बाजार में ज्वेलरी शॉप है। सोमवार को कुछ लोग आए और खुद को आयकर विभाग का अधिकारी बताते हुए घर में घुस गए। उन्होंने परिवार के मोबाइल जब्त किए और फिर अलमारी व पेटी से गहने और नकदी निकालकर जांच के बहाने चलते बने। उधर, मामले की सूचना मिलते ही पुलिस जांच में जुट गई है। बेनीबाद थाना प्रभारी साकेत शार्दुल ने बताया कि अज्ञात बदमाशों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज में कुछ संदिग्ध लोगों को आते-जाते देखा गया है।

सीतामढ़ी में दंपत्ति की रहस्यमय ढंग से मौत

सीतामढ़ी। जिले के बोखड़ा थाना क्षेत्र के पतनुक्का गांव में शुक्रवार की सुबह दंपत्ति की रहस्यमय मौत से सनसनी फैल गई। सरकारी डीलर मनोज कुमार दास (48) का शव कमरे में फंदे से लटका मिला, जबकि उनकी पत्नी मीना देवी (44) का शव बिस्तर पर पड़ा था।जानकारी के अनुसार, गुरुवार की रात दोनों ने साथ खाना खाया और कमरे में सोने चले गए। घर में उस समय उनकी वृद्ध मां और छह वर्षीय बच्चा भी मौजूद थे। सुबह देर तक कमरे से कोई आहट नहीं मिलने पर वृद्धा ने दरवाजा खटखटाया। जवाब न मिलने पर ग्रामीणों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया तो अंदर का दृश्य देख सब स्तब्ध रह गए।घटना की सूचना पर पुपरी डीएसपी सुनीता कुमारी, बोखड़ा और नानपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कमरे को सील कर एफएसएल टीम को जांच के लिए बुलाया। इस दौरान कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला, जिसकी सामग्री का खुलासा अभी नहीं किया गया है।पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मामले में हत्या और आत्महत्या दोनों आशंकाओं पर जांच चल रही है। कमरे के अंदर से बंद होने और सुसाइड नोट मिलने की वजह से आत्महत्या की संभावना मजबूत मानी जा रही है। हालांकि, मृतका मीना देवी के गले पर गहरे निशान मिलने से हत्या की संभावना भी खारिज नहीं की जा रही है। डीएसपी सुनीता कुमारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल की जांच रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। फिलहाल पुलिस परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है।

'बिहार में विकास की लहर दिखाई दे रही, विपक्ष पूरी तरह फेल', पटना में बोले केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल

पटना। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने आज बिहार भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार विकास की ओर बढ़ रहा है। एक समय था जब बिहार में भ्रष्टाचार सुर्खियों में था और आज आधारभूत संरचनाओं की योजनाएं, औद्योगिक विकास दिखाई दे रहा है। एक प्रकार से यहां विकास की लहर दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि एक बार फिर से बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार स्थापित करने के लिए हमलोग मैदान में उतरे हैं। दावा करते हुए कहा कि आने वाले चुनाव में जनता के आशीर्वाद से एनडीए ऐतिहासिक विजय प्राप्त करेगी। उन्होंने कहा कि कल बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में बिहार के दो नए बड़े प्रोजेक्टों को मंजूरी दी गई है। इसमें मोकामा मुंगेर चार लेन हाईवे 4500 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा और भागलपुर दुमका रामपुर हाट की रेलवे लाइन में दूसरा ट्रैक बनाना है। उन्होंने कहा कि बिहार की राजधानी पटना में मेट्रो का निर्माण हो रहा है। एनडीए का संकल्प बिहार को विकसित बनाना है, बिहार को सुख-समृद्ध बनाना है। आज जो प्रगति दिख रही है, वह बिहार के उज्जवल भविष्य की प्रतीक है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एनडीए सरकार ने 11 वर्षों में अपने संकल्प को पूरा किया है। पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। पीएम मोदी ने कहा था कि समावेशी विकास के बिना भारत विकसित नहीं हो सकता। इस कारण उनका पूरा जोर उत्तरी पूर्वी राज्यों के विकास पर लगा है। बिहार इस दौरान नई योजनाओं के कारण आगे बढ़ा है। उन्होंने कई योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि नए मेडिकल कॉलेज खुले, गरीब लोगों को मकान मिले, एक प्रकार से देखें तो समाज मे ऐसा कोई वर्ग नहीं है जिसकी चिंता पीएम मोदी ने नहीं की। उन्होंने इस दौरान जीएसटी में बदलाव की चर्चा करते हुए कहा कि सभी उपयोगी चीजों में करों की कटौती कर मूल्यों में कमी की गई है। इससे मूल्य कम होंगे तो मांग बढ़ेगी और फिर उत्पादन बढ़ेगा। इससे रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत नए विकास की ओर जा रहा है, यह सकारात्मक सोच का परिणाम है। मोदी जी और नीतीश जी के नेतृत्व में बिहार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष पूरी तरह फेल हो चुका है। विपक्ष चुनाव हारने के कारण ढूंढने में लगा है। जिस तरह से विपक्ष पीएम मोदी की माताजी के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया गया, उसकी निंदा करता हूं। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव जान लें कि आप जितना भला-बुरा बोलें, गाली दें, बिहार की जनता गुमराह नहीं होगी। यहां की जनता समझदार है। यहां के लोग विकास चाहते हैं। बिहार सुशासन चाहता है। इस कारण फिर से एक बार नीतीश कुमार की सरकार बनेगी और बिहार के लोगों की सेवा करेगी। इस दौरान एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि महागठबंधन किसी को सीएम उम्मीदवार घोषित कर दे लेकिन नीतीश कुमार के फेस के सामने कोई नहीं टिकता। अमेरिका के द्वारा टैरिफ लगाए जाने को लेकर उन्होंने कहा कि इस पर बातचीत चल रही है। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी व विधानपार्षद संजय मयूख,प्रदेश महामंत्री राजेश वर्मा,प्रदेश प्रवक्ता सुरेश रूंगटा, प्रदेश मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल,प्रदेश सह प्रभारी प्रभात मालाकार उपस्थित रहें।

बक्सर में धान की फसल पर तना छेदक और मिलीबग का कहर, किसानों की बढ़ी चिंता

डुमरांव (बक्सर)। इन दिनों धान की फसल तना छेदक, धड़छेदक और मिलीबग नामक कीटों के प्रकोप से जूझ रही है। यह कीट किसानों के अथक परिश्रम और मेहनत की कमाई पर पानी फेर रहे हैं। खेतों में लगे इन कीटों का प्रकोप इतना तेज है कि एक बार लगने के बाद यह पूरी फसल में फैल जाता है और धान को ठूंठ में बदल देता है। ग्रामीण इलाके में किसान इन कीटों को चतरा के नाम से जानते हैं। किसान इसे धान के लिए सबसे घातक कीट मानते हैं। किसानों का कहना है कि पटवन और खाद डालकर वे किसी तरह फसल को तैयार किए, लेकिन अचानक बढ़ते कीटों प्रकोप ने उनकी सारी मेहनत पर पानी फेर दिया। किसानों के अनुसार, तना छेदक की सूंडियां हल्के पीले शरीर और नारंगी-पीले सिर वाली होती हैं, जबकि मादा सूंडी के पंख पीले रंग के होते हैं। ये कीट धान की गोभ में प्रवेश कर जाते हैं, जिससे पौधे की बढ़वार रुक जाती है और पौधा सूखने लगता है। परिणामस्वरूप धान का उत्पादन बुरी तरह प्रभावित होता है।स्थानीय किसान सूरज प्रसाद, भरत चौबे, राघवेंद्र तिवारी, प्रेम कुमार महतो, बबन यादव और कपिलमुनि पांडेय सहित कई लोगों ने बताया कि इस समय धान की खेती पर संकट मंडरा रहा है। खेतों में जगह-जगह ठूंठ दिखाई देने लगे हैं और लगातार नुकसान हो रहा है। किसानों के अनुसार, यदि समय रहते बचाव नहीं किया गया तो फसल बर्बाद हो जाएगी। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डा. देवकरण ने बताया कि यह कीट फसल के लिए बेहद खतरनाक है। ऐसे में किसानों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि प्रति वर्ग मीटर खेत में पांच प्रतिशत से अधिक गोभ मृत दिखे, तो किसानों को तुरंत रसायनों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि तना छेदक की रोकथाम के लिए कारटाप हाइड्रोक्लोराइड (फोर-जी) 18 से 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से तीन से पांच सेंटीमीटर स्थिर पानी में छिड़काव करना चाहिए। वहीं, मिलीबग के प्रकोप से बचाव के लिए कार्बोफ्यूरान थ्री-जी 10 किलोग्राम प्रति एकड़ तीन से पांच सेंटीमीटर स्थिर पानी में घोलकर छिड़काव करना प्रभावी माना जाता है।

बारिश के बीच एनडीए का कार्यकर्ता सम्मेलन

लोगों के पैर पानी में डूबे; दिलीप जायसवाल बोलेः नरेंद्र मोदी पूर्णिया को देंगे तोहफा

दरभंगा। मिथिला की हृदय स्थली दरभंगा लालबाग स्थित लक्ष्मेश्वर लाइब्रेरी परिसर में गुरुवार को एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सुबह से जारी मूसलाधार बारिश के बावजूद हजारों की संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे। पूरे परिसर में पानी भर जाने के बावजूद कार्यकर्ता कुर्सियों पर बैठे नजर आए, हालांकि उनके पैर पानी में डूबे हुए थे। बारिश से भीगते हुए भी कार्यकताओं का उत्साह कम नहीं हुआ। खास बात यह रही कि सम्मेलन में महिला कार्यकताओं की संख्या पुरुषों से अधिक रही। कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल का एनडीए कार्यकताओं ने मिथिला परंपरा के अनुसार पाग चादर, फूल माला, मखाना का माला और मिथिला पेंटिंग देकर स्वागत किया। महिला कार्यकताओं को भी उन्होंने पाग

चादर ओढ़ाकर सम्मानित किया, जिससे उनका चेहरा खुशी से खिल उठा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मैथिली भाषा में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ह्लएक बार फिर से एनडीए की सरकार बनानी है। नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विकास की नई रफ्तार पकड़ी है। पहले जहां राजनीतिक सभाओं में गिनी-चुनी महिलाएं दिखाई देती थीं, वहीं आज हजारों की संख्या में महिलाओं की भागीदारी साबित करती है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में एनडीए सरकार ने ऐतिहासिक काम किया है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि केंद्र सरकार बिहार के लिए लगातार बड़े तोहफे दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज लगभग 8000 करोड़ रुपए की दो बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। 1. सड़क परियोजना झ बक्सर से भागलपुर तक एक्सप्रेस-वे, और मोकामा से मुंगेर तक छह लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण होगा। इसके लिए 4447 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। 2. रेलवे परियोजना झ भागलपुर से दुमका होते हुए रामपुर तक 177

किलोमीटर लंबा रेलवे ट्रैक बनेगा। इसके लिए 3169 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। जायसवाल ने कहा कि यह तोहफा बिहार के सपनों को साकार करने की दिशा में अहम कदम है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 सितंबर को पूर्णिया में रेल परियोजना का तोहफा देने आ रहे हैं। कार्यक्रम में कई दिग्गज नेता मौजूद रहे। इनमें बिहार सरकार के मंत्री संजय सरावगी, सांसद गोपालजी ठाकुर, जदयू विधायक प्रो. विनय कुमार चौधरी, संजय सिंह, आदित्य नारायण चौधरी मन्ना, सुजीत मल्लिक, बालेन्दु झा, मुकुंद चौधरी, सपना भारती, संगीता साहू समेत अन्य एनडीए नेता और हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी आने वाले थे, लेकिन किसी कारणवश वे उपस्थित नहीं हो सके। दरभंगा में गुरुवार को आयोजित यह कार्यकर्ता सम्मेलन न केवल एनडीए की ताकत और एकजुटता का प्रदर्शन था, बल्कि इसने यह भी दिखा दिया कि भारी बारिश भी कार्यकताओं के जोश और संकल्प को डिगा नहीं सकती।

एयर इंडिया के 200 विमान यात्री 2 घंटे तक बगैर एसी के तड़पते रहे, अखबार से करते रहे हवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से सिंगापुर जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान एआई 2380 में बैठे करीब दो सौ यात्रियों के दो घंटे भारी पड़ गए। विमान में न एसी चल रहा था और न ही बिजली थी। यात्री केवल अखबार से हवा करते रहे और बेचैन होते रहे। जब बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर में तकनीकी खराबी के चलते 200 से ज्यादा यात्रियों को करीब दो घंटे तक विमान में बैठे रहने के बाद उतार दिया गया। रात 11 बजे उड़ान भरने वाली इस फ्लाइट में न तो एयर कंडीशनिंग सिस्टम काम कर रहा था और न ही बिजली की सप्लाई ठीक थी। हैरानी की बात ये रही कि क्रू मेंबर्स ने यात्रियों को इस अचानक लिए गए फैसले की कोई वजह नहीं बताई। एयर इंडिया की ओर से भी इस पूरे मामले पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यात्रियों में नाराजगी साफ देखी गई, क्योंकि इतनी बड़ी असुविधा के बाद भी कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। विमान में बैठे यात्रियों को गर्मी से हाल बेहाल हो गया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में यात्री अखबार और मैगजीन को पंखे की तरह इस्तेमाल करते नजर आए। एक यात्री, जो पीटीआई के पत्रकार भी थे, ने बताया कि दो घंटे तक विमान में बिना किसी ठोस जानकारी के इंतजार करवाया गया। आखिरकार, सभी यात्रियों को विमान से उतारकर टर्मिनल भेज दिया गया। यह घटना एक बार फिर विमानन सेवाओं में तकनीकी खामियों और यात्रियों की सुविधा को लेकर सवाल खड़े करती है। सोशल मीडिया पर यात्रियों ने अपनी भड़ास निकाली और एयर इंडिया से जवाब मांगा। अब देखना ये है कि एयर इंडिया इस मामले पर क्या रुख अपनाती है और यात्रियों को इस असुविधा का कोई मुआवजा मिलेगा या नहीं।

कैलाश मानसरोवर से दर्शन कर लौट रहे अयोध्या के 8 श्रद्धालु नेपाल में फंसे

अयोध्या (एजेंसी)। कैलाश मानसरोवर से दर्शन कर लौटते समय नेपाल-चीन सीमा पर स्थित हिल्सा बॉर्डर (नेपाल) में अयोध्या के आठ श्रद्धालु फंसे हुए हैं। नेपाल में जारी तनाव के कारण वे भारत लौटने में असमर्थ हैं। इस स्थिति को देखकर गोसाईगंज के विधायक अभय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। विधायक सिंह ने अपने पत्र में भारत सरकार से अपील की है कि नेपाल में फंसे श्रद्धालुओं को सुरक्षित रूप से भारत लाने के लिए जरुर कदम उठाए। उन्होंने संबंधित मंत्रालयों और अधिकारियों को निर्देशित करने की भी मांग की है। वहीं, दूसरी ओर समाजवादी पार्टी सांसद अवधेश प्रसाद ने भी मुद्दे को गंभीरता से लेकर प्रधानमंत्री और गृह मंत्रालय को पत्र लिखा है। सांसद प्रसाद ने भरोसा दिलाया कि वे खुद गृह मंत्रालय से बातचीत कर श्रद्धालुओं की सुरक्षित वापसी के प्रयास करुंगा। गोसाईगंज निवासी कुछ लोग नेपाल बॉर्डर पर फंसे हुए हैं। इन सभी का परिवार बेहद चिंतित है। उन्होंने कहा हमारी एक ही आस है कि सरकार जल्द से जल्द उन्हें भारत वापस लाए। कैलाश मानसरोवर यात्रा से लौटते समय अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर खराब मौसम और परिवहन संबंधी समस्याएं यात्रियों के फंसे रहने का प्रमुख कारण बन रही हैं।

झारखंड में जर्जर मकान गिरने से दो बच्चों समेत तीन की मौत

रांची (एजेंसी)। झारखंड के धनबाद जिले में बुधवार शाम भारी बारिश के बाद एक जर्जर मकान गिर गया जिसमें दबने से दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। घटना लोदना पुलिस चौकी के अंतर्गत आने वाले बीसीसीएल के एक क्वार्टर में हुई। मकान ढहने के बाद कम से कम सात लोग मलबे में दब गए। स्थानीय लोगों और एक खुदाई मशीन की मदद से सभी को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अस्पताल अधीक्षक ने बताया कि सात लोगों को अस्पताल लाया गया था। उनमें से तीन को मृत घोषित कर दिया गया और चार अन्य का इलाज जारी है।

पटना में राजद कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के एक कार्यकर्ता, राज कुमार राय उर्फ अला राय, की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना राजेंद्र नगर टर्मिनल के पास गली नंबर 17 में रात करीब 10 बजे हुई। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी की सूचना मिलने के बाद घायल अला राय को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहाँ इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल से छह खाली कारतूस बरामद किए हैं, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि इस वारदात में दो से ज़्यादा लोग शामिल थे। इस हत्या के पीछे का सही कारण अभी तक साफ नहीं हो सका है, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि अला राय राजनीति में सक्रिय थे और ज़मीन से जुड़े कारोबार में भी शामिल थे। पुलिस सभी संभावित पहलुओं से मामले की जाँच कर रही है और आरोपियों को पकड़ने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। राजद के प्रवक्ता एजाज अहमद ने घटना को चौंकाने वाला बताकर बिहार में बिगड़ती कानून व्यवस्था के लिए नीतीश कुमार की सरकार पर निशाना साधा। फिलहाल, पुलिस मृतक के ड्राइवर से भी पूछताछ कर रही है ताकि कोई सुराग मिल सके।

सीमा पार कर भारत आई बांग्लादेशी युवती और उसके पति गिरफ्तार

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के धौलपुर में एक बांग्लादेशी युवती और उसके भारतीय पति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। युवती, जिसका नाम जन्नत खानम उर्फस्नेहा जारविन है, अपने फेसबुक प्रेमी कबीर खान से मिलने के बाद अवैध रूप से भारत में रह रही थी। जन्नत खानम, जो बांग्लादेश निवासी है, कि साल 2023 में फेसबुक के माध्यम से धौलपुर के कबीर खान से दोस्ती हुई थी। यह दोस्ती जल्द ही प्यार में बदल गई। दिसंबर 2024 में, जन्नत एक अन्य महिला, तानिया, के साथ अवैध रूप से सीमा पार कर भारत आई। तानिया जन्न्त को कोलकाता ले गई, जहाँ उसने जन्नत का आधार कार्ड बनवाया। इसके बाद, जन्नत मुंबई और फ़िर इंदौर गई, जहाँ से कबीर जन्नत को अपने साथ ले आया।

टीएमसी का दावा- उपराष्ट्रपति चुनाव में भाजपा ने 20 करोड़ में खरीदा एक सांसद

कोलकाता (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति के पद पर चुने गए एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने अभी अपने पद की शपथ भी नहीं ली कि विपक्षी दल टीएमसी ने सवाल उठाना शुरु कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी पर तीखा प्रहार करते हुए टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव ने दावा किया कि भाजपा ने वोट खरीदने के लिए प्रति सांसद 15 से 20 करोड़ रुपये खर्च किए।

लोकसभा में टीएमसी संसदीय दल का नेतृत्व करने वाले अभिषेक ने भाजपा पर लोकतंत्र को कमजोर करने के लिए धनबल का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा नेता मंगलवार को हुए चुनाव के नतीजों को प्रभावित करने के लिए पैसों की बोरियां लेकर आए थे।

दिल्ली से लौटने के बाद कोलकाता हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत में अभिषेक ने कहा, कुछ लोगों से बात करने के बाद मैं कह सकता हूं कि भाजपा ने वोट खरीदने के लिए प्रत्येक व्यक्ति पर 15-20 करोड़ रुपये खर्च किए। जनप्रतिनिधि के रूप में चुने गए सदस्य लोगों के विश्वास और भावनाओं को बेच रहे हैं। प्रतिनिधियों को खरीदा जा सकता है, लेकिन लोगों को नहीं। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के सभी 41 सांसदों (28 लोकसभा सदस्य और 13 राज्यसभा सदस्य) ने विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के पक्ष में मतदान किया। अभिषेक ने कहा, सुदीप बंद्योपाध्याय और सौगत रॉय अस्वस्थ होने के बावजूद आए तथा मतदान किया। उन्होंने सवाल किया कि राजग के आंकड़े अनुमान से अधिक कैसे हो गए, जबकि विपक्षी गठबंधन इंडिया के आंकड़े कम रह गए, जबकि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पहले दावा किया था कि 315 सांसदों ने रेड्डी को समर्थन देने का वादा किया था।

अभिषेक ने कहा, 2021 के बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा ने राज्य में बड़े पैमाने पर नकदी लाने की कोशिश की और असफल रहे। 2024 में उन्होंने मतदान कर्मियों को खरीदने की कोशिश की, कुछ को 5,000 रुपये और अन्य को 10,000 रुपये का भुगतान किया। लेकिन बंगाल के लोगों ने उन्हें दिखा दिया कि नेताओं को खरीदा जा सकता है, लोगों को नहीं। यही कहानी उन्होंने महाराष्ट्र और झारखंड में भी दोहराई, जहां विधायकों की खरीद-फरोख्त के बाद सरकारें गिर गईं। अभिषेक ने विपक्षी खेमे में विश्वासघात की ओर इशारा करते हुए आरोप लगाया, चूंकि, गुप्त मतदान था, इसलिए यह कहना मुश्किल है कि क्या 'क्रॉस वोटिंग' हुई या विपक्षी सदस्यों के वोट खारिज कर दिए गए। अगर मैं 'क्रॉस वोटिंग' को स्वीकार भी कर लूं, तो आम आदमी पार्टी (आप) जैसी कुछ पार्टियां हैं, जिसकी एक महिला सांसद खुलेआम भाजपा का समर्थन करती है और अरविंद केजरीवाल के खिलाफ बोलती हैं। ऐसे दो-चार सांसद हैं। उन्होंने पिछले कुछ मामलों से तुलना करते हुए भाजपा पर बार-बार धन का

दुरुपयोग कर पलड़ा अपने पक्ष में झुकाने का आरोप लगाया। भाजपा ने तृणमूल नेता के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया। पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव के नतीजे विपक्षी एकता की कमी को दर्शाते हैं। भट्टाचार्य ने कहा, मैं उनकी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देकर उन्हें तवज्जों नहीं देना चाहता। लेकिन इस उपराष्ट्रपति चुनाव ने स्पष्ट रूप से दिखा दिया है कि राजग एकजुट है, जबकि विपक्ष बंटा हुआ है।

राहुल गांधी के विदेश दौरे पर सीआरपीएफ ने उठाया सवाल... वे सुरक्षा को गंभीरता से नहीं ले रहे

-पत्र की एक प्रति कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजी गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के अनशेड्यूल्ड विदेश दौरों पर आपत्ति जाहिर की है। सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़ने के मामले में उन्हें पत्र लिखा गया है। यह पत्र सीआरपीएफ के वीवीआईपी सुरक्षा प्रमुख ने जारी किया है। इस पत्र की एक प्रति कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भी भेजी गई है। पत्र 10 सितंबर को जारी किया गया। इसमें कहा गया है कि राहुल गांधी लगातार उन सुरक्षा मानकों का पालन नहीं कर रहे हैं, जो उनकी सुरक्षा टीम ने निर्धारित किए हैं। वीवीआईपी सुरक्षा प्रमुख ने राहुल गांधी के सुरक्षा के प्रति रवैये पर भी सवाल उठाकर कहा कि वह इस सुरक्षा को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। राहुल गांधी को जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है, जिसमें एएसएल (सुरक्षा घेरा एडवांस सिक्योरिटी लाइजन) कवर शामिल है। यह देश की सबसे ऊंची सुरक्षा श्रेणियों में से एक है, जिसमें बड़ी संख्या में सीआरपीएफ के जवान हर वक्त सुरक्षा में तैनात रहते हैं। बता दें कि बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' संपन्न करने के बाद राहुल गांधी अचानक विदेश यात्रा पर चले गए। ट्विटर पर उनकी कुछ तस्वीरें वायरल हो रही थीं। हालांकि वह उपराष्ट्रपति चुनाव में शामिल होने के लिए भारत वापस आ गए और पार्टी के कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं।

बिहार, जम्मू-कश्मीर में उप चुनाव और राज्यसभा की रिक्त 4 सीटों पर एक साथ होगा चुनाव!

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव की चर्चा पूरे देश में है।अगले महीने के अंत तक ऐलान की संभावना है। यही नहीं चुनाव आयोग से सूत्रों का कहना है कि इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर की दो विधानसभा सीटों के उपचुनाव भी घोषित किए जा सकते हैं। केंद्र शासित प्रदेश में बीते साल ही चुनाव हुए थे, लेकिन सीएम उमर अब्दुल्ला दो सीटों से मैदान में उतरे थे। वह दोनों सीटों से जीत गए थे और गांदरबल से ही विधायक बने रहने का फैसला लिया, जबकि बडगाम सीट छोड़ दी थी। तब से ही गांदरबल की सीट खाली है। इसके अलावा नगरोटा विधानसभा के विधायक देवेंदर सिंह राणा का निधन हो गया था, जिसके चलते यह सीट भी खाली है।ऐसे में करीब एक साल बाद इन दोनों सीटों पर आयोग चुनाव कराने की तैयारी में है।

जनप्रतिनिधित्व कानून के सेक्शन 151ए के तहत किसी सीट के खाली होने पर 6 महीने के अंदर चुनाव होने चाहिए। यदि ऐसा ना हो पाए तो केंद्र सरकार की सलाह पर इसे अतिरिक्त 6 महीने के लिए टाला जा सकता है। इसके लिए कारण भी बताना होता है कि इन चुनावों को क्यों टाला जा रहा है। पहले दिल्ली विधानसभा चुनाव के साथ ही यहां मतदान कराने की

तैयारी थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। फिर पहलगाम आतंकी हमले के चलते ये टलते रहे और अब बिहार इलेक्शन के साथ ही यहां भी वोटिंग कराने का प्लान है।इसके अलावा जल्दी ही राज्यसभा की 4 सीटों पर भी चुनाव कराए जा सकते हैं। ये चुनाव भी लंबे समय से अटके हुए हैं। इन सीटों का प्रतिनिधित्व करने वाले 4 सांसदों का कार्यकाल फरवरी 2021 में ही समाप्त हो गया था, लेकिन अब तक चुनाव का इंतजार है। इन सांसदों में कांग्रेस के सीनियर नेता गुलाम नबी आजाद भी शामिल थे। फिलहाल वह किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं और कांग्रेस से भी उन्होंने दूरी बना ली है। ऐसे में देखना होगा कि राज्यसभा सीटों के चुनाव में किसकी ओर से किसे उतारा जाता है।

भारत-नेपाल सीमा पर घुसपैठ रोकने एसएसबी के 60 हजार जवान तैनात; जेल तोड़कर भागे 60 कैदी पकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में भड़की हिंसा और अराजकता का असर अब भारत-नेपाल सीमा पर साफ देखने को मिल रहा है। घुसपैठियों से सीमा की सुरक्षा को लेकर भारत ने बड़ा कदम उठाते हुए सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 50 बटालियन यानी करीब 60 हजार जवानों को उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड और सिक्किम से लगती सीमा पर मुस्तैद कर दिया है। इनका मकसद किसी भी अप्रिय घटना को रोकना और नेपाल से जेल तोड़कर भागे कैदियों की घुसपैठ को रोकना भारत आने वाले खासतौर पर भारतीय नागरिकों को हर संभव मदद देना है।

नेपाल में हालात इतने बिगड़े हैं कि 24 जेलों को तोड़कर 15 हजार से ज्यादा कैदी फरार हो चुके हैं। इनमें से कई कैदी भारत में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने अब तक

ऐसे 60 कैदियों को गिरफ्तार किया है। इनमें कुछ भारतीय कैदी भी शामिल हैं। एसएसबी अधिकारियों के मुताबिक पकड़े गए कैदियों को स्थानीय पुलिस को सौंपा गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। सूत्रों का कहना है कि नेपाल की सुरक्षा एजेंसियों ने भारत को अलर्ट किया है कि जेल से भागे अपराधियों में से कई भारतीय सीमा में दाखिल होने की कोशिश कर सकते हैं। नेपाल ने यह भी अनुरोध किया है कि यदि ऐसे किसी कैदी को पकड़ा जाए तो उसे वापस नेपाल की जेलों में भेजने की प्रक्रिया अपनाई जाए।

इसी बीच, नेपाल से बड़ी संख्या में लोग भारत का रुख कर रहे हैं। अब तक करीब 500 लोग, जिनमें ज्यादातर भारतीय हैं, नेपाल से भारत आ चुके हैं। दस्तावेजों की जांच के बाद ही उन्हें सीमा पार करने दिया जा रहा है। वहीं, नेपाली नागरिकों का कहना है कि वे फिलहाल अपने देश की हिंसा और अस्थिरता के कारण वापस नहीं जाना चाहते। हालांकि, एसएसबी ने साफ किया है कि भारत-नेपाल सीमा को बंद नहीं किया गया है। पैदल और वैध मार्गों से लोगों को दस्तावेज जांचकर प्रवेश दिया जा रहा है। हां, ट्रकों और वाणिज्यिक परिवहन पर रोक लगी हुई है। सीमा पर गश्त और फ्लैग मार्च तेज कर दिया गया है। एसएसबी और नेपाल की आर्म्ड पुलिस फोर्स (एपीएफ) के बीच समन्वय पहले की तरह ही जारी है। नेपाल की आंतरिक अस्थिरता ने न केवल पड़ोसी देश की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दी है, बल्कि भारत की सीमाई सुरक्षा के लिए भी नए खतरे पैदा कर दिए हैं।

भारत सरकार की सलाह : रूसी सेना में भर्ती के झांसे में ना आएं युवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूसी सेना में भर्ती कर भारतीयों को यूक्रेन से जंग में इस्तेमाल करने की खबरें आ रही थीं। अब इसी को लेकर सरकार ने स्पष्ट किया है कि ऐसे ऑफरों से दूरी बनाएं। इसके अलावा रूस से अपील की है कि वह उन भारतीयों को वापस भेजे, जो किसी भी तरह से झांसे में आकर उसकी सेना में शामिल हो गए हैं। सरकार ने भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है कि वे रूसी सेना में शामिल होने के किसी झांसे में ना आएं। विदेश मंत्रालय ने ट्वीट कर कहा है कि ऐसे किसी भी ऑफर को स्वीकार न करें क्योंकि यह खतरे से भरा रास्ता है। उल्लेखनीय है कि पिछले तीन वर्ष से भी अधिक समय से यूक्रेन के साथ जंग में उतरी रूस की सेना में समय-समय पर भारतीय नागरिकों की भर्ती की जाती रही है। रूस की सेना में भर्ती होने वाले भारतीयों के परिवारों का कहना है कि सेना में भर्ती के बाद उन्हें वापस नहीं आने दिया जाता। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रूसी सेना में भारतीयों की भर्ती से संबंधित मीडिया के सवालों के जवाब में गुरुवार को कहा कि भारतीय नागरिकों को इस तरह के प्रस्ताव से दूर रहना चाहिए क्योंकि इसमें खतरे हैं। उन्होंने कहा, हमने हाल ही में रूसी सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती की खबरें देखी हैं। सरकार ने पिछले एक साल में कई मौकों पर इस तरह की कार्रवाई में निहित जोखिमों और खतरों के बारे में बताया है और लोगों को आगाह किया है कि वे इससे दूर रहें। इसके आगे उन्होंने कहा कि हमने दिल्ली और मॉस्को दोनों में रूसी अधिकारियों के साथ भी मामला उठाया है। हमने रूस से अनुरोध किया है कि इस प्रैक्टिस को समाप्त किया जाए और हमारे नागरिकों को वापस किया जाए। हम प्रभावित भारतीय नागरिकों के परिवारों के साथ भी संपर्क में हैं। हम एक बार फिर सभी भारतीय नागरिकों से आग्रह करते हैं कि वे रूसी सेना में शामिल होने के किसी भी ऑफर से दूर रहें क्योंकि यह खतरे से भरा रास्ता है। उन्होंने कहा कि हम एक बार फिर सभी भारतीय नागरिकों से रूसी सेना में शामिल होने के किसी भी प्रस्ताव से दूर रहने का आग्रह करते हैं क्योंकि यह ख़तरों से भरा है।

राहुल और तेजस्वी चाहे जितना भी गाली दें, बिहार की जनता गुमराह नहीं होगी: गोयल

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि वे पूरी तरह से विफल हो चुके हैं और कांग्रेस नेता राहुल गांधी या राजद नेता तेजस्वी चाहे जितना भी बोलें या गाली दें, बिहार की जनता गुमराह नहीं होगी। पटना में गोयल ने कहा कि विपक्ष हमें हराने का बहाना ढूंढ रहा है। मैं राहुल गांधी द्वारा पीएम मोदी की मां को गाली देने की कड़ी निंदा करता हूं।

यह विवाद एक वायरल वीडियो के बाद शुरू हुआ, जिसमें राहुल गांधी की यात्रा में एक व्यक्ति ने पीएम की मां को गाली दी थी। दरभंगा पुलिस ने आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है। गोयल ने आगे कहा कि नीतीश कुमार और पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार पूरे विश्वास के साथ बिहार की सेवा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि एनडीए बिहार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

गोयल ने नए जीएसटी सुधारों की भी सराहना करते हुए कहा कि जैसे-जैसे चीज़ें सस्ती होंगी, मांग बढ़ेगी और इससे व्यापार जगत को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हाल ही में केंद्र सरकार ने जीएसटी में बड़ा बदलाव करके

रोज़मर्रा की वस्तु को सस्ता करने का काम किया है। टूथपेस्ट, तेल, कपड़े, घड़ियां, जूते और स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए स्टेशनरी, सब सस्ते हो गए हैं...कई चीज़ें 0 फीसदी जीएसटी पर उपलब्ध हैं।

उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और बीमा सुविधाओं में जीएसटी स्लैब हैं। उन्होंने कहा आज घरों में रेफ्रिजरेटर, टीवी और एसी जैसी सभी चीज़ें सस्ती करके इन लोगों के जीवन में एक नया उत्साह, अच्छी चीज़ों के लिए उत्साह लाया गया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी स्लैब के कारण लोगों के पास रोजगार के अधिक अवसर होंगे, क्योंकि सस्ते उत्पादों की उपलब्धता से उनकी मांग बढ़ेगी, जिससे उद्योग का विस्तार होगा।

बच्ची से दुष्कर्म व हत्या के आरोपी को मौत की सजा दिए जाने पर बोला सुप्रीम कोर्ट...

मौत की सजा सुनाने से पहले अदालतें बहुत सावधानी बरतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 2014 में उत्तराखंड में 7 साल की बच्ची के दुष्कर्म और हत्या मामले में मौत की सजा पाए दोषी को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि मौत की सजा सुनाने से पहले अदालतों को बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। इस मामले को लिटिल निर्भया कहा गया था और इससे पूरे उत्तराखंड में गुस्सा था। जस्टिस विक्रम नाथ, संजय करोल और संदीप मेहता की पीठ ने ट्रायल कोर्ट और उत्तराखंड हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें उसे व्यक्ति को दोषी ठहराते हुए उसे मौत की सजा सुनाई गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच में कई कमियां थीं और अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ आरोप साबित करने में विफल रहा। यह मामला पूरी तरह से परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपी-अपीलकर्ताओं के अपराध को साबित करने के लिए परिस्थितियों की पूरी और अटूट श्रृंखला स्थापित करने में विफल रहा है। जस्टिस मेहता ने फैसला सुनाते हुए अदालतों से मौत की सजा सुनाते समय सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि कैपिटल पनिशमेंट की प्रकृति ऐसी है कि इसे केवल रेयरेस्ट ऑफ रेयर मामलों में ही लगाया जाना चाहिए। अभियोजन पक्ष के मामले में थोड़ी सी भी शंका या कमजोरी होने पर ऐसी सजा नहीं दी जानी चाहिए।

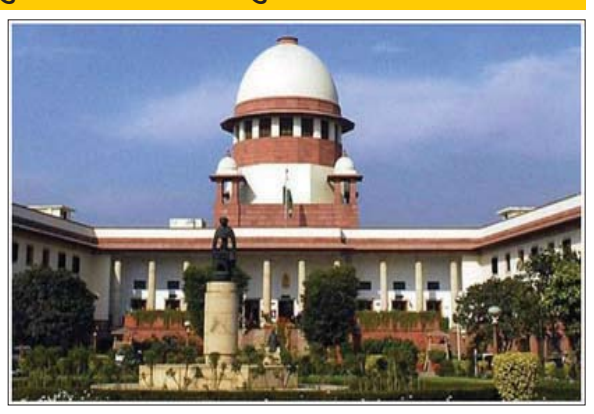

इस मामले में अभियोजन पक्ष ने कहा था कि बच्ची 29 अप्रैल, 2014 को लापता हो गई थी। उसका शव अगले दिन मिला था। पुलिस ने दावा किया था कि आरोपी ने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया और फिर उसकी हत्या कर दी। ट्रायल कोर्ट ने 2016 में आरोपी को दोषी ठहराया और उसे मौत की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने भी 2018 में ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा था। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था।

मोदी सरकार के मंत्रियों के पास क्रिप्टो करेंसी, किसी के पास दशकों पुराने दोपहिया वाहन और रिवॉल्वर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार के कई मंत्रियों ने वर्ष 2024-25 की अपनी संपत्तियों की जानकारी साझा की है। इसमें किसी के पास क्रिप्टोकरेंसी, किसी के पास दशकों पुराने दोपहिया वाहन हैं। जयंत चौधरी एकमात्र मोदी सरकार में मंत्री है, जिन्होंने क्रिप्टो में निवेश किया है।

पीएमओ की वेबसाइट पर प्रकाशित जानकारी के अनुसार, केंद्रीय कौशल विकास राज्य मंत्री और राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने 31 मार्च, 2025 तक 21.31 लाख रुपये मूल्य के क्रिप्टो निवेश की सूचना दी। उनकी पत्नी चारु सिंह ने 22.41 लाख रुपये मूल्य की डिजिटल एसेट होल्डिंग्स की जानकारी दी है।

चौधरी एकमात्र मंत्री हैं, जिन्होंने क्रिप्टो को डिजिटल परिसंपत्तियों में शामिल घोषित किया है। हालांकि जमीन, शेयर या जमा जैसे पारंपरिक निवेश कड़े नियमों के तहत संचालित होते हैं, भारत में क्रिप्टोकरेंसी अभी भी नियामकीय अनिश्चितताओं से जूझ रही है। आरबीआइ ने निवेशकों को वर्चुअल करेंसी के जोखिमों के बारे में बार-बार चेतावनी दी है। वहीं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने अपनी संपत्ति में 37 साल पुराना स्कूटर और एक रिवॉल्वर शामिल होने की घोषणा की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक दोपहिया वाहन के अलावा 27 लाख रुपये से अधिक के आभूषण और 19 लाख से अधिक के म्यूचुअल फंड निवेश की भी घोषणा की है। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने 1.2 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 1,679 ग्राम सोने के आभूषण, 10 किलोग्राम चांदी के आभूषण और हीरे के आभूषण सहित अन्य संपत्ति घोषित की है।

सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन ने 74 लाख रुपये से अधिक मूल्य के स्वर्ण आभूषण और एक स्कूटी सहित अन्य संपत्ति घोषित की है। रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने अपनी संपत्ति में 1997 माडल की मारुति एस्टीम कार और एक पिस्तौल शामिल होने की जानकारी दी है। रिवहन मंत्री नितिन गडकरी की संपत्ति में 31 साल पुरानी एक एम्बेसडर कार के अलावा दो अन्य कारें शामिल हैं। उन्होंने 37 लाख रुपये से ज्यादा मूल्य के सोने के आभूषण भी घोषित किए हैं, जबकि उनकी पत्नी कंचन नितिन अधिकारी ने 28 लाख रुपये से ज्यादा मूल्य के सोने के आभूषण घोषित किए हैं। अन्नपूर्णा देवी

और सावित्री ठाकुर के पास असलहें मोदी सरकार की दो महिला मंत्रियों के पास असलहें भी हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने अन्य संपत्तियों के अलावा एक रिवाल्वर, एक राइफल, एक ट्रैक्टर और लगभग एक करोड़ रुपये के म्यूचुअल फंड निवेश की जानकारी दी हैं। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने 67 लाख रुपये से अधिक मूल्य के स्वर्ण आभूषणों के अलावा एक डबल बैरल बंदूक और एक रिवाल्वर घोषित की है।